



श्रम साधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
रखें करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 83 ग्वालियर, शनिवार 24 अक्टूबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- नई मत्स्य उद्योग नीति से आणगी नीली क्रांति, निवेश और निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

प्रदेश में तीन साल में मत्स्य उत्पादन 10 लाख टन करने का लक्ष्य

भोपाल जीएनएस
मध्यप्रदेश में अगले तीन वर्षों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाकर 10 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में प्रदेश का मत्स्य उत्पादन 4.45 लाख टन है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार नई एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 के माध्यम से प्रदेश में नीली क्रांति लाने की दिशा में काम कर रही है। जल संसाधनों को निवेश, नवाचार और निर्यात से जोड़कर मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार में आयोजित नेशनल फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्फ्लेक्स-2026 को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति के तहत प्रदेश में एक लाख

नए केज कल्चर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे मछली उत्पादन बढ़ने के साथ मत्स्य उत्पादकों, विक्रेताओं, परिवहनकर्ताओं और मछली पालन से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। प्रदेश के जल स्रोतों का बहुआयामी उपयोग किया जाएगा, जिससे पेयजल, सिंचाई, पशुओं के लिए पानी, मत्स्य उत्पादन, जल पर्यटन और जलीय जीवों के संरक्षण को बढ़ावा मिल सकेगा।

खाद्य प्रसंस्करण और उद्योगों से जुड़ेगा मत्स्य पालन
मुख्यमंत्री ने कहा कि मत्स्य पालन को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से जोड़ा जाएगा। मछली उत्पादन के बाद उसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग और विपणन से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मत्स्योद्योग को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से जोड़कर



निवेशकों और मत्स्य उत्पादकों को प्रोत्साहन तथा अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। उद्योग के विस्तार के लिए भूमि आवंटन और तकनीकी सहायता की व्यवस्था भी की जाएगी।

कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश मत्स्य पालन निवेश एवं निर्यात मार्गदर्शिका-2026 और निर्यात पोर्टल की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का विमोचन किया

गया। रायसेन जिले के बारना जलाशय में प्रदेश में पहली बार सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत स्थापित 500 केज कल्चर का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने प्रदेश के जलाशयों तथा अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास की योजना की प्रशासनिक स्वीकृति भी हस्तांतरित की।

निवेश से 50 हजार रोजगार के अवसर : मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने बताया कि प्रदेश में अगले तीन वर्षों में मत्स्य उत्पादन 10 लाख टन करने का लक्ष्य है। मत्स्य क्षेत्र में हर साल पांच हजार करोड़ रुपये का निवेश बढ़ाने और इससे 50 हजार रोजगार के अवसर सृजित करने का संकल्प लिया गया है। प्रदेश के 49 जलाशयों में मत्स्य पालन की सुविधाएं विकसित करने के लिए भी राशि स्वीकृत की जा रही है।

केंद्रीय पंचायती राज, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश है। देश में मत्स्य उत्पादन वर्ष 2014 के 95.7 लाख टन से बढ़कर 198 लाख टन हो गया है। उन्होंने मध्यप्रदेश की एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 को मत्स्य पालन और

निर्यात बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि खेती के साथ मत्स्य पालन, पशुपालन, मुर्गी पालन और अन्य गतिविधियों को अपनाकर किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। वहीं, प्रदेश के मत्स्य विकास राज्यमंत्री नारायण सिंह पवार ने कहा कि जल संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मत्स्य उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य सरकार के अधिकारियों, निवेशकों, निर्यातकों, खरीदारों, विक्रेताओं तथा मत्स्य उत्पादक किसानों ने भाग लिया। कॉन्क्लेव में निवेश बढ़ाने, कारोबार के विस्तार और मत्स्य उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए खरीदार-विक्रेता बैठक भी आयोजित की गई।

30 गेंदों पर 69 रन की नाबाद साझेदारी से दिलाई जीत

तिलक-नीतीश ने पलटी बाजी, भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया

क्राइस्टचर्च जीएनएस।
भारतीय टीम ने दूसरे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम एक समय मुश्किल में थी। 14.5 ओवर में 112 रन पर छह विकेट गिरने के बाद तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख पलट दिया। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए महज 30 गेंदों पर 69 रन की साझेदारी कर भारत को



जीत दिलाई। तिलक वर्मा ने 26 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी ने 13 गेंदों पर 26 रन की तेजतर्रार पारी खेली। संकट के समय दोनों की

आक्रामक बल्लेबाजी ने भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अब न्यूजीलैंड के सामने वापसी की चुनौती होगी।

मैहर में 'सनातन संवाद' में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री

भोपाल जीएनएस
मैहर जिले में आयोजित 'सनातन संवाद' कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और कथा का श्रवण किया। कार्यक्रम में सतना सांसद गणेश सिंह, मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से की भेंट, कथा का श्रवण कर लिया आशीर्वाद



मुख्यमंत्री ने आईटीबीपी स्थापना दिवस पर जवानों को दी शुभकामनाएं

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के स्थापना दिवस पर सभी वीर जवानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की सीमाओं की सुरक्षा और राष्ट्रसेवा में बल के योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि दुर्गम परिस्थितियों में कर्तव्यपालन करने वाले आईटीबीपी के जवानों का साहस, समर्पण और अनुशासन सभी के लिए प्रेरणादायक है।

सिरोल में 58 और मुरार की दो दुकानों से 8 गन बरामद, एसएसपी ने मौके पर पहुंचकर दिए कार्रवाई के निर्देश

कार्बाइड गन बनाने वाले कारखाने पर छापा, 66 गन जब्त

ग्वालियर जीएनएस
दीपावली और आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ग्वालियर पुलिस ने कार्बाइड गन के अवैध निर्माण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने सिरोल क्षेत्र स्थित मां पीतांबरा स्टील ट्रेडर्स के कारखाने से 58 कार्बाइड गन और मुरार के घासमंडी क्षेत्र की दो दुकानों से 8 गन जब्त की हैं। इस तरह कुल 66 गन बरामद की गई हैं। पुलिस ने कारखाना संचालक सहित संबंधित दुकानदारों के खिलाफ वैधानिक

कार्रवाई शुरू कर दी है। **कारखाने में तैयार मिलीं 58 गन :** पुलिस के अनुसार, सिरोल चौराहे के पास स्थित मां पीतांबरा स्टील ट्रेडर्स के कारखाने में कार्बाइड गन तैयार किए जाने की सूचना मिली थी। इस पर सिरोल थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। कारखाने में 47 सिंगल, 10 डबल और पांच वाली एक गन सहित कुल 58 गन तैयार हालत में मिलीं। इसके अलावा पीटास के पांच पैकेट भी बरामद किए गए।



पुलिस ने कारखाना संचालक रमन ओझा, निवासी शिवनगर, सिरोल के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई शुरू की है। **एसएसपी ने किया**

निरीक्षण : कारखाने में बड़ी संख्या में कार्बाइड गन तैयार किए जाने की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने कारखाने का

निरीक्षण कर बरामद गन और अन्य सामग्री के संबंध में जानकारी ली। साथ ही संबंधित संचालक के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। **मुरार की दो दुकानों से 8 गन जब्त :** इसी अभियान के तहत मुरार थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने घासमंडी क्षेत्र में दो दुकानों पर कार्रवाई की। पुलिस ने अनिल झा की दुकान से बिक्री के लिए रखी छह कार्बाइड गन और काले खान की दुकान से दो गन जब्त कीं। दोनों दुकानदारों के खिलाफ मुरार थाने में वैधानिक

कार्रवाई की जा रही है। **पुलिस की आमजन से अपील :** ग्वालियर पुलिस ने लोगों से कार्बाइड गन का उपयोग नहीं करने और बच्चों को भी इनसे दूर रखने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, इनका इस्तेमाल गंभीर दुर्घटनाओं, चोट और अन्य खतरों का कारण बन सकता है। त्योहारों के दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हार्डवेयर की दुकानों, फैब्रिकेशन इकाइयों और कैल्शियम कार्बाइड बेचने वाले प्रतिष्ठानों की जांच की जा रही है।

दीपावली एवं आगामी त्योहारों पर कानून व्यवस्था को लेकर ग्वालियर पुलिस अलर्ट

कैलिशियम कार्बाइड व अवैध पटाखों के कारोबार पर होगी सख्त कार्रवाई, एसएसपी ग्वालियर ने थाना प्रभारियों की बैठक लेकर दिए सख्त निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस।
दीपावली एवं आगामी त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) ने आज पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में राजपत्रित पुलिस अधिकारियों एवं शहर के थाना प्रभारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
बैठक में अति. पुलिस अधीक्षक श्री जयराज कुबेर, अति.

पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवेश सिंह बघेल, सीएसपी इंदरगंज श्री रोबिन जैन, सीएसपी महाराजपुरा श्री नागेंद्र सिंह सिकरवार, सीएसपी ग्वालियर श्री कृष्ण पाल सिंह, सीएसपी मुरार श्री संदीप बांगरे, डीएसपी अपराध श्री मनीष यादव सहित शहर के समस्त थाना प्रभारी उपस्थित रहे।
कैलिशियम कार्बाइड, कार्बाइड गन एवं अवैध पटाखों पर सख्त निगरानी के निर्देश - बैठक में एसएसपी ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कैलिशियम कार्बाइड, कार्बाइड

गन, कार्बाइड लैंप एवं इनसे संबंधित सामग्री तथा पटाखों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय तथा सप्लाई पर विशेष निगरानी रखी जाए। थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में हार्डवेयर दुकानों की चेकिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी कैलिशियम कार्बाइड की अनधिकृत बिक्री न हो। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए। उन्होंने अनधिकृत स्थानों पर पटाखों के निर्माण, बिक्री एवं अवैध भंडारण

के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा दीपावली के अवसर पर लगने वाले पटाखा बाजारों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बाजारों में यातायात व्यवस्था और पार्किंग पर रहेगा विशेष ध्यान - एसएसपी ग्वालियर ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान बाजारों एवं प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए प्रभावी इंतजाम किए जाएं। बाजार के दुकानदारों को अपनी दुकान का सामान बाहर रखकर अतिक्रमण नहीं करने तथा

सड़क पर वाहन खड़े नहीं करने के लिए निर्देशित किया जाए। साथ ही नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को आवागमन में परेशानी न हो।
फरार बदमाशों की धरपकड़ के लिए चलाए अभियान - एसएसपी ग्वालियर ने सभी थाना प्रभारियों को त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने तथा फरार बदमाशों की धरपकड़ हेतु अभियान

चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा, बाजारों में व्यवस्था और अपराध नियंत्रण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
ग्वालियर पुलिस आमजन से अपील करती है कि- दीपावली का त्योहार सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं, प्रतिबंधित अथवा असुरक्षित सामग्री का उपयोग न करें तथा यातायात नियमों का पालन कर पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

कलेक्टर ने दीपावली त्योहार के अवसर पर आतिशबाजी संग्रह एवं विक्रय हेतु विस्फोटक नियम के अन्तर्गत सुरक्षा व्यवस्था एवं लोकहित की दृष्टि से किया आदेश

अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति प्रदाय किये जाने हेतु संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी अधिकृत भिण्ड 23 अक्टूबर 2026/ कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भिण्ड श्री पवन कुमार जैन ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली त्योहार के अवसर पर आतिशबाजी (पटाखे, फुलझंडी) संग्रह एवं विक्रय हेतु विस्फोटक नियम 2008 के अन्तर्गत अनुसूची द्वी के भाग-1 अनुच्छेद (5) (ख) के अनुसार प्रारूप एल.ई.5 में अस्थाई अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु विस्फोटक नियम 2008 के नियम 112 (1) के परन्तुक के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुरक्षा व्यवस्था एवं लोकहित की दृष्टि से आदेशित किया है कि एक्सप्लोसिव रूल्स 2008 के अन्तर्गत अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति प्रदाय किये जाने हेतु संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को अधिकृत किया जाता है। अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति जारी किये जाने हेतु आवेदन ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किये जावेंगे एवं किसी भी दशा में ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेंगे।
अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 30 अक्टूबर 2026 तक प्राप्त किये जावेंगे। इस अवधि

के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा तथा दिनांक 02 नवम्बर 2026 से दिनांक 09 नवम्बर 2026 (आठ दिवस) तक के लिये अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति वैध रहेगी।
अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति आवेदनों पर पुलिस से आवश्यक जांच कराये जाने के उपरांत ही अनुज्ञप्ति जारी की जावे। प्रत्येक अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति में आतिशबाजी संग्रह एवं विक्रय हेतु जन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये एवं मात्रा आवश्यक रूप से प्रदर्शित की जावे। संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य नगर पालिका अधिकारी, एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण कर आतिशबाजी विक्रय स्थल का चयन करेंगे।
आतिशबाजी बिक्री हेतु संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा दुकानदारों को अस्थाई दुकान के लिये अनुज्ञप्ति देते समय केन्द्रीय सरकार की अधिसूचना क्रमांक जी.एस.आर.687 (ई) दिनांक 27.09.1984 उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं कार्यालय प्रमुख कृते संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक भारत सरकार पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन

भोपाल द्वारा परिपत्र दिनांक 08 अक्टूबर 2026 के अनुसार शर्तों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाना सुनिश्चित करेंगे। जिसमें आतिशबाजी को सुरक्षित एवं उच्चवलनशील सामग्री से बने शेंड में रखा जाये। आतिशबाजी के विक्रय हेतु बनी अस्थाई दुकानें, एक दूसरे से 3 मीटर की दूरी पर एवं किसी संरक्षित स्थलों से 50 मीटर की दूरी पर होंगी। यह अस्थाई शेंड एक दूसरे के आमने-सामने नहीं होना चाहिए।
सुरक्षा दूरी के अन्दर एवं इन दुकानों के प्रकाश हेतु किसी प्रकार के तेल लेम्प, गैस लेम्प एवं खुली बिजली की बत्तियों का प्रयोग नहीं होना चाहिये, यदि किसी बिजली की लाईन का प्रयोग किया जाता है तो उसे या तो दीवार पर या छत पर दृढ़ता से लगाना चाहिये एवं किसी प्रकार के तार लटके हुए नहीं होना चाहिए इन बत्तियों के लिये स्विचें दीवार पर लगे हुये होना चाहिये एवं पॉक्ति की सभी दुकानों के लिये मास्टर स्विचें लगाना अनिवार्य होगा। किसी दुकान के 50 मीटर के अन्दर आतिशबाजी जलाने पर प्रतिबंध होगा।
किसी एक क्लस्टर में 50 से अधिक अस्थाई दुकानें लगाने की अनुमति नहीं होगी। आतिशबाजी की दुकानों का क्षेत्रफल 9 वर्ग मीटर से कम तथा 25 वर्ग मीटर से अधिक ना हो। आतिशबाजी की

दुकानों के ऐसे समूह के लिए प्राथमिक चिकित्सा, एम्बुलेंस और कम से कम दो (02) दमकल गाडियां उपलब्ध रहेंगी।
स्थानीय भाषा में विस्फोटक और खतरनाक सामान, लिखे हुए चेतावनी बोर्ड प्रमुख स्थानों में लगाए जाएंगे। रहवासी बस्ती में अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति जारी नहीं की जावेगी।
अनुज्ञप्ति स्थल पर किसी भी प्रकार की आकास्मिक स्थिति से निपटने एवं त्वरित कार्यवाही के लिये प्रशासनिक अधिकारियों के मोबाईल नं. प्रदर्शित किये जावें।
अनुज्ञप्ति स्थल पर किसी आशांकित दुर्घटना के निदान हेतु प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारक द्वारा पुलिस प्रशासन को पर्याप्त सहयोग उपलब्ध कराया जावेगा।
अनुज्ञप्ति स्थल/जिस स्थान पर आतिशबाजी की दुकानें लगेगी उस स्थान पर फायर बिग्रेड, पर्याप्त मात्रा में पानी एवं बालू (रेत की बोरी) की व्यवस्था की जावे एवं विस्फोटक नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित किया जावे। साथ ही अनुज्ञप्ति स्थल पर आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जावे।
18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तब तक आतिशबाजी न बेची जाये जब तक उनके साथ कोई वयस्क व्यक्ति न हो। अनुज्ञप्ति

अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा पर शिविर आयोजित



श्यापुर, जीएनएस।
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा प्रेरणा वृद्धाश्रम श्यापुर में अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत संवेदनशीलता एवं जन-जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम में विशेष रूप से सीपीआर प्रदर्शन, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन स्थिति में आवश्यक सावधानियां, पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण, सामान्य रोगों से बचाव तथा स्वस्थ जीवनशैली पर व्यावहारिक प्रदर्शन और स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित रहा।
कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से डॉ. आकर्ष जैन एवं डॉ. अभिषेक तुतलानी उपस्थित रहे। इसके साथ ही पार्षद श्री विष्णु पाराशर, सामाजिक न्याय विभाग के प्रभारी उपसंचालक श्री सौरभ सिंह राय, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी श्री ओमबीर रघुवंशी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य वरिष्ठजनों को हरसंभव सहायता और सुरक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंत में प्रेरणा वृद्धाश्रम के सचिव श्री धर्मेन्द्र शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

श्री मनोज वैष्णव तथा अन्य विभागीय कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।
कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ डॉ. आकर्ष जैन एवं डॉ. अभिषेक तुतलानी ने वरिष्ठ नागरिकों को सीपीआर का व्यावहारिक प्रदर्शन कर आपातकालीन स्थिति में जीवन बचाने के तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने बुजुर्गों को संतुलित पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, सामान्य मौसमी रोगों से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। पार्षद श्री विष्णु पाराशर ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य और जागरूकता शिविरों से बुजुर्गों को सीधा लाभ मिलता है और यह उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। नोडल अधिकारी श्री ओमबीर रघुवंशी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य वरिष्ठजनों को हरसंभव सहायता और सुरक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंत में प्रेरणा वृद्धाश्रम के सचिव श्री धर्मेन्द्र शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

पटाखा दुकान का लाइसेंस बेचने या एक लाइसेंस पर किसी दूसरे द्वारा दुकान चलाए जाने पर होगी दण्डात्मक कार्रवाई : कलेक्टर

भिण्ड, जीएनएस।
कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन ने दीपावली के अवसर पर पटाखों के वैध विक्रय एवं किसी भी अप्रिय घटना से निपटने एवं सावधानी बरतने हेतु थोक एवं फुटकर पटाखा विक्रेताओं के साथ बैठक ली। इस दौरान पुलिस अधीक्षक भिण्ड श्री सूरज कुमार वर्मा, सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री राजन बी नाडिया, एसडीएम भिण्ड श्री महेन्द्र सौजन्या, नगर पालिका भिण्ड सीएमओ श्री वीरेंद्र

चक्रवर्ती सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक में कलेक्टर ने जिले में पटाखों के भंडारण एवं विक्रय को लेकर आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पटाखों के भंडारण और विक्रय की व्यवस्था निर्धारित नियमों के अनुसार की जाए। सभी दुकानों के बीच गाइडलाइन के अनुसार स्पेस होना चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि पटाखों का भंडारण एवं विक्रय केवल निर्धारित

एवं अधिकृत स्थानों पर ही किया जाए। शहर के निराला रंग बिहार मेला ग्राउंड परिसर में पटाखों की दुकानें लगाई जाएंगी।
कलेक्टर श्री जैन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर कहा कि जिले में कार्बाइड गन के इस्तेमाल पर पूर्णतः रोक लगाई गई है। इसके इस्तेमाल को रोकने के लिए अभियान मोड़ चलाएं। कार्बाइड गन के विक्रय पर विक्रेता एवं लापरवाही पाए जाने पर अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने पटाखा बाजारों में

व्यवस्थित लेआउट, यातायात प्रबंधन, अग्निशमन एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पटाखों के व्यापारियों का सत्यापन करने तथा पात्र व्यापारियों के लाइसेंस का समय पर नवीनीकरण एवं वितरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर अवैध भंडारण या नियमों के उल्लंघन की जानकारी मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सभी पटाखा दुकानें निर्धारित स्थान पर ही लगेगी, शहर में अन्य जगह कोई दुकान नहीं

लगाई जाए।
उन्होंने पटाखा व्यापारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बाजार में कोई भी दुकानदार बिना लाइसेंस के पटाखों की बिक्री न करे। दुकानों पर अग्निशमन यंत्रों के साथ-साथ बालू भरी बाल्टियां और पानी की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखवाना सुनिश्चित किया जाए। जिन लोगों ने दुकानों पर अनाधिकृत रूप से कब्जा कर रखा है वो स्वीकार्य नहीं है। नियम अनुसार ही दुकानों का संचालन करें, दुकान का लाइसेंस नहीं बेचा जाए। एक लाइसेंस पर

कोई दूसरा दुकान नहीं चलाएगा। ऐसा पाए जाने पर दुकान सील कर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।
कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन ने एसडीएम भिण्ड को निर्देशित किया कि लाइसेंस जारी करते समय सुनिश्चित करें कि एक ही घर के दो लोगों को लाइसेंस जारी नहीं किया जाए। नगर पालिका सीएमओ सुनिश्चित करें कि पटाखा बाजार में माईक के साथ कंट्रोल रूम बनाया जाए। सीएमओ पटाखा बाजार में एम्बुलेंस लगाई जाना सुनिश्चित करें।

ग्वालियर में खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई, पलक गृह उद्योग सील; डेयरियों से जुर्माने की वसूली

ग्वालियर, जीएनएस।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों में न्यायालय द्वारा लगाए गए जुर्माने की वसूली के लिए ग्वालियर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया के आदेशानुसार तहसीलदार श्री मुन्नालाल गौड़ के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर जुर्माना वसूला। कार्रवाई के दौरान बकाया जुर्माना जमा नहीं करने पर पलक

गृह उद्योग का खाद्य कारोबार बंद कराकर प्रतिष्ठान को सील कर दिया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम में श्री लोकेन्द्र सिंह, श्री गिरीश राजौरिया, श्री राजेश कुमार गुप्ता, श्री आनंद प्रकाश शर्मा, श्री गोविन्द नारायण सरगैया, श्रीमती निरूपमा शर्मा, श्री सतीश धाकड़ और श्री सतीश कुमार शर्मा शामिल रहे। टीम ने न्यायालय के आदेशों के तहत जुर्माना जमा नहीं करने वाले तथा जिनके खाद्य लाइसेंस या पंजीयन निलंबित हैं, ऐसे

प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई की।

पलक गृह उद्योग सील, अन्य प्रतिष्ठानों को निर्देश

कार्रवाई के दौरान पलक गृह उद्योग पर एक लाख रुपये का जुर्माना अधिरोपित था। फर्म ने इसमें से 30 हजार रुपये जमा किए थे, जबकि शेष 70 हजार रुपये जमा नहीं किए गए थे। बकाया राशि जमा नहीं करने पर संयुक्त टीम ने मौके पर खाद्य कारोबार बंद कराते हुए प्रतिष्ठान को सील कर दिया। डीडी नगर स्थित सुरेन्द्र पाल डेयरी पर 50 हजार रुपये का

जुर्माना बकाया था। टीम जब वसूली के लिए पहुंची तो डेयरी बंद मिली। इस पर दुकान पर नोटिस चस्पा कर 26 अक्टूबर 2026 तक जुर्माना राशि जमा करने के निर्देश दिए गए।

सिंहपुर रोड, मुरार स्थित जय दुर्गा डेयरी पर दो लाख रुपये का जुर्माना अधिरोपित था। कार्रवाई के दौरान डेयरी संचालक ने एक लाख रुपये ऑनलाइन जमा कर उसकी रसीद प्रस्तुत की। शेष राशि अगले सात दिनों में जमा कराने की बात कही गई।

इसी प्रकार डीडी नगर स्थित जय मां दुर्गा डेयरी के मामले में जुर्माना राशि जमा कराने के लिए टीम पहुंची। डेयरी संचालक ने ऑनलाइन भुगतान कर रसीद प्रस्तुत की तथा शेष राशि पांच दिनों में जमा कराने की बात कही। सागरताल रोड स्थित श्याम डेयरी से 40 हजार रुपये का जुर्माना जमा कराया गया। इसके अतिरिक्त गोपाल गुप्ता ने पांच हजार रुपये और सिरोल रोड स्थित जोगेन्द्र पाल डेयरी ने 15 हजार रुपये जुर्माना जमा कराया।

जुर्माना वसूली की कार्रवाई जारी रहेगी

खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार 22 अक्टूबर को कुल 2 लाख 10 हजार रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशन में विभाग द्वारा जुर्माना जमा नहीं करने वाले खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पंजाबी परिषद समिति ग्वालियर का सामूहिक करवा चौथ पूजन 29 को सनातन धर्म मंदिर में



ग्वालियर, जीएनएस।

गुरुवार को करवा चौथ पूजन की तैयारी को लेकर पंजाबी परिषद समिति ग्वालियर की आज एक अहम बैठक रखी गई जिसमें प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी समिति द्वारा विधि विधान से ब्राह्मणों द्वारा सामूहिक करवा चौथ पूजन 29 अक्टूबर को सनातन धर्म मंदिर में 4:00 बजे से पूजन प्रारंभ होगा, आयोजन को लेकर समिति बनाई गई जिसमें संयोजक एवं सहसंयोजक व्यवस्थापक नियुक्त किए गए जिसमें मुख्य संयोजिका सिम्मी अजीत कुकरेजा, सह संयोजिका लक्ष्मी जुनेजा, रम्या साकेत आनंद को बनाया गया, एवं व्यवस्थापक रविंद्र पनबंदा, अनिल शर्मा, नरेंद्र बेदी, राकेश शर्मा को बनाया गया और उन्हें जिम्मेदारियां दी गई आयोजन में समिति एवं

पंजाबी समाज की सुहागने सामूहिक रूप से करवा चौथ का पूजन करेगी, आयोजन में यह होंगे सम्मानित

- (1) नई वधु को
 - (2) पति-पत्नी दोनों का एक साथ व्रत रखने वाले जोड़े को
 - (3) सुंदर मेहंदी रचनेवाली सुहागन को
 - (4) 16 श्रृंगार से सुसज्जित सुहागन को
 - (5) वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण करने वाली जोड़ी को
- समिति द्वारा स्वागत एवं सम्मानित किया जाएगा बैठक में मुख्य संरक्षक कुलबीर भारद्वाज, अध्यक्ष अशोक मारवाह, प्रमिला मरवाह सचिव जीके सूरी, रश्मि शूरी संयुक्त अध्यक्ष दिनेश भट्टा, युवा अध्यक्ष सुधांशु भारद्वाज, मीडिया प्रभारी राजू पंडित आदि।

भगवान वाल्मीकि जयंती पर निगम के ठेका कर्मचारियों को मिलेगा एरियर, खिलेगा हजारों श्रमिक परिवारों का चेहरा

आगरा, जीएनएस।

भगवान वाल्मीकि जयंती पर नगर निगम के ठेका कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ और उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के निरंतर प्रयासों के बाद सफाई कर्मचारियों, ड्राइवरो और अन्य आउटसोर्सिंग कर्मियों के 81 कार्यदिवस के बकाया वेतन अंतर का भुगतान 23 अक्टूबर को उनके बैंक खातों में भेजे जाने की जानकारी दी गई है। इस फैसले से त्योहार के अवसर पर श्रमिक परिवारों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद इलाहाबादी और उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुंदर बाबू चंचल ने संयुक्त रूप से बताया कि श्रम विभाग, उत्तर प्रदेश शासन ने 17 अप्रैल 2026 को शासनादेश जारी कर एक अप्रैल 2026 से अकुशल, अर्द्धकुशल और कुशल श्रेणी के श्रमिकों की दैनिक मजदूरी में वृद्धि की थी। नगर निगम ने बढ़ी हुई मजदूरी का भुगतान शुरू कर दिया था, लेकिन 81 कार्यदिवस

नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य के निर्देश पर 81 दिनों के बकाया वेतन अंतर का भुगतान, सफाई कर्मचारियों को ₹6,182 और ड्राइवरो व अन्य कर्मियों को करीब 10,000 मिलेंगे



का अंतर वेतन बकाया रह गया था।

नगर आयुक्त ने दिए तत्काल निर्देश

बकाया भुगतान के लिए दोनों कर्मचारी नेता लगातार प्रयास कर रहे थे। इसीक्रम में उन्होंने नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य से उनके कार्यालय में मुलाकात कर वाल्मीकि जयंती से पहले एरियर भुगतान कराने का अनुरोध किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद इलाहाबादी और प्रदेश अध्यक्ष सुंदर बाबू चंचल के मुताबिक, नगर आयुक्त

ने तत्काल अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि धनाभाव के कारण आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को त्योहार पर आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

कैसे कितना मिलेगा एरियर?

वरिष्ठ कर्मचारी नेताओं विनोद इलाहाबादी और सुंदर बाबू चंचल के अनुसार, सफाई कर्मचारियों को लगभग 6,182 रुपये, जबकि ड्राइवरो, कंप्यूटर ऑपरेटरो और अन्य संबंधित श्रेणियों के कर्मचारियों को करीब 10,000

रुपये तक का बकाया वेतन अंतर मिलेगा। सेवा प्रदाता मैसर्स अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा के माध्यम से भुगतान कर्मचारियों के बैंक खातों में भेजे जाने की बात कही गई है।

कर्मचारियों ने जताया आभार

इस पहल पर कर्मचारी नेता भुल्ले नरवार, रोहित लवानिया, राजू डागौर, जयकिशन कछवाहा, मनीष चौहान, बसंत लाल पाथरे, शनी चौहान, सोनू चौहान, देवेन्द्र देवू और शरद थनवार सहित अन्य कर्मचारियों ने नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य के प्रति आभार व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद इलाहाबादी और उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुंदर बाबू चंचल ने उम्मीद जताई कि समय पर बकाया भुगतान से कर्मचारियों को भगवान वाल्मीकि जयंती की तैयारियों में मदद मिलेगी। यह पहल उन कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण है, जो शहर की सफाई व्यवस्था और अन्य जरूरी सेवाओं को सुचारु बनाए रखने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं।

पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये कलेक्टर ने हार्वेस्टर संचालकों के साथ की बैठक

ग्वालियर, जीएनएस।

जिले में धान की पराली जलाने की घटनाओं को रोकने एवं पराली व नरवाई प्रबंधन के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शुक्रवार को जिले के हार्वेस्टर संचालक, डीलर एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिये ठोस प्रबंधन के लिए विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती

रुचिका चौहान ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिये आयोजित बैठक में जिले के हार्वेस्टर संचालकों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र में किसानों को पराली न जलाने की समझाश दें। इसके साथ ही यह भी बताएं कि पराली जलाना न केवल पर्यावरण के लिये बल्कि खेतों की उर्वरता के लिये भी हानिकारक है। नरवाई जलाने वाले किसानों के विरुद्ध

शासन के प्रावधान अनुरूप कार्रवाई भी की जायेगी।

उन्होंने कहा है कि जिले के किसानों की पराली उद्योग एवं धंधों में उपयोग हो, इसके लिये भी सार्थक प्रयास किए जायेंगे। कृषि विभाग के माध्यम से ग्वालियर एवं चंबल संभाग में ऐसे उद्योग संचालक जिन्हें पराली की आवश्यकता होती है उनसे समन्वय कर किसानों के खेतों की पराली उपलब्ध कराने की कार्रवाई भी की

जायेगी। इससे किसानों को आर्थिक लाभ भी होगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कृषि विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे अपने मैदानी अमले को सचेत करें कि वे क्षेत्र में भ्रमण कर किसानों को पराली न जलाने की समझाश दें। इसके साथ ही मशीनों का उपयोग कर ही पराली की कटाई का कार्य किया जाए। उप संचालक कृषि ने बैठक में बताया कि धान कटाई में उपयोग में लाए जाने वाले

कम्पोजिट हार्वेस्टिंग में एसएमएस (स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम) का उपयोग अनिवार्य किया गया है। सरकार द्वारा एसएमएस खरीदी पर 59 हजार 700 रुपए का अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। बैठक में हार्वेस्टर संचालकों ने भी विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही किसान संगठन के पदाधिकारियों ने भी मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं के संबंध में अवगत कराया।

भिण्ड-गोस्मी
 के
समाचार
विज्ञापन
 के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

Har Khushi Ki Pahali Pasand

SCAN TO SHOP

OUR NEW PRODUCT

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक

श्रमसाधना

संपादकीय

भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में स्थायी बदलाव, अब आतंकवाद पर ही तय होगी बातचीत की राह

भारत और पाकिस्तान के संबंधों में बीते कुछ वर्षों में बुनियादी बदलाव आया है। पहले सैन्य टकराव के बाद तनाव कम करने और शांति वार्ता शुरू करने की कोशिशें होती थीं, लेकिन अब यह परंपरा टूटती दिखाई दे रही है। भारत की विदेश नीति में आया यह बदलाव केवल अस्थायी कूटनीतिक नाराजगी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा रणनीति में परिवर्तन का संकेत है।

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का इतिहास लंबा रहा है। 1947, 1965 और 1971 के युद्धों के बाद भी शांति स्थापित करने के प्रयास हुए, लेकिन सीमा पार आतंकवाद ने संबंधों को लगातार प्रभावित किया। 1980 के दशक के अंत से पाकिस्तान की धरती से संचालित आतंकवादी गतिविधियां भारत के लिए गंभीर चुनौती बन गईं।

भारत ने कई बार बातचीत के जरिए संबंध सुधारने की कोशिश की। 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर यात्रा शांति की दिशा में महत्वपूर्ण पहल थी, लेकिन उसी वर्ष कारगिल संघर्ष ने इन उम्मीदों को झटका दिया। इसी तरह, 2008 के मुंबई आतंकी हमलों ने दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की संभावनाओं को गंभीर नुकसान पहुंचाया।

इन घटनाओं ने भारत में यह धारणा मजबूत की कि पाकिस्तान की असैन्य सरकारों और उसकी सैन्य-खुफिया व्यवस्था के बीच नीतिगत अंतर है। जहां राजनीतिक नेतृत्व वार्ता की बात करता है, वहीं आतंकवादी गतिविधियां शांति प्रक्रिया को बाधित करती रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शुरुआत में संबंध सुधारने के प्रयास किए। 2014 में नवाज शरीफ को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करना और 2015 में लाहौर जाना इसी नीति के उदाहरण थे। हालांकि, बाद की घटनाओं ने इन प्रयासों को आगे बढ़ाना कठिन बना दिया।

इसके बाद भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। भारत का रुख यह बन गया कि सार्थक वार्ता के लिए पाकिस्तान को अपनी जमीन से संचालित आतंकवादी नेटवर्कों के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय कार्रवाई करनी होगी।

इस बदलाव का प्रभाव सैन्य रणनीति पर भी पड़ा है। भारत अब आतंकवादी हमलों के जवाब में कार्रवाई के विकल्पों को लेकर पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट और दृढ़ दिखाई देता है। ऑपरेशन सिंदूर को भी इसी व्यापक रणनीतिक बदलाव के संदर्भ में देखा जा सकता है। इससे पाकिस्तान की उस धारणा को चुनौती मिली कि परमाणु हथियारों की मौजूदगी भारत की सैन्य प्रतिक्रिया को पूरी तरह सीमित कर सकती है।

फिर भी, दोनों परमाणु-संपन्न देशों के बीच तनाव कम करना क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। इसके लिए आतंकवाद पर प्रभावी नियंत्रण, विश्वसनीय संवाद और जिम्मेदार कूटनीति की जरूरत बनी रहेगी।

अंततः भारत-पाकिस्तान संबंधों का भविष्य पाकिस्तान की नीतियों और आतंकवाद के प्रति उसके वास्तविक रुख पर निर्भर करेगा। जब तक इन मोर्चों पर ठोस बदलाव नहीं आता, तब तक उच्चस्तरीय बातचीत की बहाली कठिन बनी रह सकती है। यही दोनों देशों के रिश्तों का नया सामान्य स्वरूप बनता दिखाई दे रहा है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

अंतरात्मा का आईना : विशेषाधिकार अधिकार नहीं, जिम्मेदारी हैं

डॉ. विजय गर्ग

हर समाज में ऐसे लोग होते हैं, जिन्हें धन-संपत्ति, शिक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा, पारिवारिक पृष्ठभूमि या प्रभावशाली पदों के कारण विशेष सुविधाएँ और अवसर प्राप्त होते हैं। ये सुविधाएँ जीवन को आसान बनाती हैं और प्रगति के अनेक रास्ते खोलती हैं। लेकिन महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि हम इनका उपयोग किस प्रकार करते हैं? क्या विशेषाधिकार केवल व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं तक सीमित हैं, या इनके साथ समाज के प्रति कुछ जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी हैं?

अंतरात्मा का आईना हमें अपनी उपलब्धियों से आगे बढ़कर अपने चरित्र का मूल्यांकन करने की प्रेरणा देता है। यह याद दिलाता है कि विशेषाधिकारों से अहंकार और श्रेष्ठता की भावना नहीं, बल्कि विनम्रता, कृतज्ञता और सेवा का भाव विकसित होना चाहिए।

विशेषाधिकार का वास्तविक अर्थ विशेषाधिकार का अर्थ केवल धनवान होना या ऊँचा पद प्राप्त करना नहीं है। अच्छी शिक्षा, सुरक्षित घर, सहयोगी परिवार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ, स्वतंत्रता और अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के अवसर भी विशेष सुविधाओं के रूप हैं। कुछ लोगों को ये सुविधाएँ जन्म और परिस्थितियों के कारण मिलती हैं, जबकि अन्य लोगों को इन्हें प्राप्त करने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ता है।

समस्या तब उत्पन्न होती है, जब व्यक्ति अपनी सुविधाओं को अपनी श्रेष्ठता का प्रमाण मानने लगता है। संपन्न परिवार में जन्म लेने वाला व्यक्ति अपनी सफलता का पूरा श्रेय स्वयं को दे सकता है और उन अवसरों तथा सहयोग को भूल सकता है, जिन्होंने

उसकी प्रगति में योगदान दिया। इसी प्रकार, प्रभावशाली पद पर बैठा व्यक्ति विशेष व्यवहार को अपना स्वाभाविक अधिकार समझने लगता है।

ऐसी मानसिकता संवेदनशीलता को कमजोर करती है और समाज में असमानता तथा दूरी बढ़ाती है। वास्तविक समझ यह है कि व्यक्तिगत प्रयासों के साथ परिस्थितियों, अवसरों और दूसरों के सहयोग की भी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विशेषाधिकार के साथ जिम्मेदारी जरूरी

विशेषाधिकार तभी सार्थक बनते हैं, जब उनके साथ कर्तव्यबोध भी जुड़ा हो। शिक्षा का उपयोग विवेक और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में होना चाहिए। धन दूसरों के लिए अवसर पैदा करने का माध्यम बन सकता है। अधिकारों का उद्देश्य न्याय और निष्पक्षता की रक्षा करना होना चाहिए, जबकि व्यावसायिक सफलता दूसरों को मार्गदर्शन देने और ज्ञान साझा करने की प्रेरणा बन सकती है।

शिक्षक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर सकता है, डॉक्टर अपनी विशेषज्ञता से जरूरतमंदों की सहायता कर सकता है और सफल उद्यमी रोजगार के अवसर पैदा करके समाज की प्रगति में योगदान दे सकता है। इसी प्रकार, प्रभावशाली नागरिक अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाकर सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

इसके लिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का त्याग करना आवश्यक नहीं है। जरूरी यह समझना है कि व्यक्तिगत सफलता और सामाजिक कल्याण एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। समाज तभी आगे बढ़ता है, जब सफल लोग दूसरों के लिए भी प्रगति के रास्ते खोलते हैं।

अधिकार जताने की मानसिकता का खतरा

जब लोग अपने पद, संपत्ति या सामाजिक पहचान के कारण विशेष व्यवहार की अपेक्षा करने लगते हैं, तो उनमें अनुचित अधिकारबोध विकसित हो सकता है। दूसरों को अनावश्यक प्रतीक्षा करवाना, नियमों की अनदेखी करना, सार्वजनिक संसाधनों का दुरुपयोग करना और कर्मचारियों के साथ अपमानजनक व्यवहार करना इसी मानसिकता के उदाहरण हैं।

सार्वजनिक पदों पर यह प्रवृत्ति विशेष रूप से नुकसानदायक है। सरकारी पद जनता की सेवा के लिए होते हैं, व्यक्तिगत सुविधाओं और असौमित्र शक्ति के लिए नहीं। पद एक जिम्मेदारी है, निजी संपत्ति नहीं। इसी तरह, शैक्षणिक योग्यता और व्यावसायिक उपलब्धियों का उद्देश्य क्षमता तथा ईमानदारी को बढ़ावा देना होना चाहिए, न कि दूसरों पर श्रेष्ठता जताना।

किसी व्यक्ति के चरित्र की वास्तविक पहचान इस बात से नहीं होती कि कितने लोग उसकी प्रशंसा करते हैं, बल्कि इससे होती है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है, जिनसे उसे कोई व्यक्तिगत लाभ मिलने की उम्मीद नहीं होती।

परिवार और शिक्षा की भूमिका विशेषाधिकारों के प्रति हमारा दृष्टिकोण बचपन से विकसित होता है। इसलिए माता-पिता को बच्चों में कृतज्ञता, सहानुभूति, अनुशासन और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना पैदा करनी चाहिए। उन्हें घरेलू सहायकों की मेहनत का सम्मान करने, संसाधनों को साझा करने और विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में रहने वाले लोगों की कठिनाइयों को समझने के लिए प्रेरित

करना चाहिए।

शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी भी केवल अच्छे अंक दिलाने और रोजगार के लिए तैयार करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य ऐसे जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है, जो समानता, न्याय और सामाजिक कर्तव्यों का महत्व समझें।

समाज सेवा, स्वैच्छिक कार्य, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंद समुदायों के साथ संवाद युवाओं में संवेदनशीलता विकसित कर सकते हैं। इससे वे समझते हैं कि समाज की प्रगति केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि पारस्परिक सहयोग से संभव होती है।

आत्ममंथन से आया वास्तविक परिवर्तन

सार्थक बदलाव की शुरुआत स्वयं से होती है। प्रत्येक व्यक्ति को विचार करना चाहिए कि क्या वह अपने पद और अधिकारों का निष्पक्ष उपयोग करता है? क्या वह सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी का सम्मान करता है? क्या वह अपनी सफलता में दूसरों के योगदान को स्वीकार करता है? क्या वह जरूरतमंदों के लिए अवसर पैदा करने में मदद करता है और अपनी गलतियों के प्रति जवाबदेह रहता है?

इन प्रश्नों का उद्देश्य किसी को सुविधाएँ प्राप्त करने के लिए दोषी ठहराना नहीं, बल्कि उनके विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करना है। विशेषाधिकार अपने आप में कोई नैतिक दोष नहीं हैं। महत्वपूर्ण यह है कि वे किस प्रकार प्राप्त हुए, उनका उपयोग कैसे किया जा रहा है और उनके माध्यम से दूसरों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

पढ़ें और याद रखें : दीर्घकालिक स्मरण शक्ति का विज्ञान

डॉ. विजय गर्ग

पढ़ना ज्ञान प्राप्त करने, आलोचनात्मक चिंतन विकसित करने और दुनिया को बेहतर ढंग से समझने का प्रभावी माध्यम है। फिर भी, अनेक लोग कोई अध्याय, लेख या पुस्तक पढ़ने के कुछ दिनों बाद ही उसकी अधिकांश बातें भूल जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि पढ़ी हुई जानकारी को लंबे समय तक याद कैसे रखा जाए?

इसका उत्तर केवल अधिक पढ़ने में नहीं, बल्कि यह समझने में छिपा है कि मस्तिष्क जानकारी को कैसे ग्रहण करता है, उसे स्मृति में कैसे संचित करता है और आवश्यकता पड़ने पर कैसे याद करता है। वैज्ञानिक अनुसंधान पर आधारित कुछ तकनीकों को अपनाकर पढ़ाई को अधिक प्रभावी और स्मरणीय बनाया जा सकता है।

हम पढ़ी हुई बातें क्यों भूल जाते हैं?

मानव मस्तिष्क प्रतिदिन बड़ी मात्रा में सूचनाएँ प्राप्त करता है, लेकिन हर जानकारी स्थायी स्मृति का हिस्सा नहीं बनती। जिन बातों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता या जिन्हें समझकर

मानसिक रूप से संसाधित नहीं किया जाता, उनके जल्दी भूलने की संभावना अधिक होती है।

मनोवैज्ञानिक हरमन एबिंगहॉस के स्मृति संबंधी शोध से पता चलता है कि सीखी हुई जानकारी का पुनः अभ्यास न करने पर उसे भूलने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। इसे सामान्यतः 'विस्मरण वक्र' कहा जाता है। भूलने की गति व्यक्ति और विषय के अनुसार अलग-अलग होती है, लेकिन नियमित पुनरावृत्ति जानकारी को लंबे समय तक याद रखने में सहायक होती है।

मोबाइल फोन, संदेशों और अन्य व्यवधानों के बीच पढ़ने से एकाग्रता प्रभावित होती है। आँखें शब्दों पर चलती रहती हैं, लेकिन मस्तिष्क उनके अर्थ को गहराई से ग्रहण नहीं कर पाता। इसलिए प्रभावी अध्ययन के लिए ध्यान और समझ दोनों आवश्यक हैं।

स्पष्ट उद्देश्य के साथ पढ़ें

अच्छा अध्ययन शुरू करने से पहले स्वयं से पूछें कि आप क्या सीखना चाहते हैं। क्या उद्देश्य परीक्षा की तैयारी करना है, किसी सिद्धांत को समझना है या नई जानकारी प्राप्त करना है?

अध्याय के शीर्षकों, उपशीर्षकों और सारांश पर पहले नजर डालें। शीर्षकों को प्रश्नों में बदलें और पढ़ते समय उनके उत्तर खोजें। इससे पढ़ना निष्क्रिय गतिविधि के बजाय सक्रिय सीखने की प्रक्रिया बन जाता है।

विद्यार्थी किसी अध्याय को पढ़ने से पहले तीन से पाँच महत्वपूर्ण प्रश्न तैयार कर सकते हैं। अध्याय समाप्त होने पर पुस्तक बंद करके उनके उत्तर देने का प्रयास करना चाहिए।

सक्रिय स्मरण से मजबूत होती है याददाश्त

सक्रिय स्मरण जानकारी को लंबे समय तक याद रखने की प्रभावी तकनीकों में से एक है। एक ही अनुच्छेद बार-बार पढ़ने के बजाय पुस्तक बंद करके उसके मुख्य विचारों को याद करने का प्रयास करें।

उदाहरण के लिए, प्रकाश संश्लेषण पढ़ने के बाद अपने शब्दों में समझाएँ कि पौधे प्रकाश ऊर्जा को रासायनिक ऊर्जा में कैसे बदलते हैं। यदि कोई चरण याद नहीं आता, तो उसे दोबारा पढ़ें और फिर स्वयं की परीक्षा लें। यह अभ्यास स्मृति से जानकारी प्राप्त करने की क्षमता को मजबूत करता

है और ज्ञान की कमियों को पहचानने में मदद करता है। प्रश्न हल करना, फ्लैशकार्ड बनाना, छोटे उत्तर लिखना और बिना नोट्स देखे किसी विषय को समझना इसके उपयोगी तरीके हैं।

अंतराल पर दोहराएँ, लंबे समय तक याद रखें

अंतराल आधारित पुनरावृत्ति में किसी विषय को एक ही दिन बार-बार पढ़ने के बजाय अलग-अलग अंतराल पर दोहराया जाता है। इससे जानकारी को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

एक व्यावहारिक तरीका है कि नई जानकारी को एक दिन, तीन दिन, एक सप्ताह और दो सप्ताह बाद दोहराया जाए। ये अंतराल निश्चित नियम नहीं हैं; कठिन विषयों के लिए अधिक अभ्यास की जरूरत हो सकती है। हर बार पहले स्मृति से जानकारी याद करें और फिर पुस्तक से मिलान करें। केवल नोट्स को दोबारा पढ़ने से विषय परिचित लग सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे स्वतंत्र रूप से याद भी किया जा सके। अलग-अलग वाक्यों को रटने की तुलना में विषय को समझना अधिक उपयोगी है।

थाना मुरार व क्राइम ब्रांच ग्वालियर पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

बिना लाइसेंस दुकान में अवैध रूप से रखे पटाखों को ग्वालियर पुलिस ने जप्त कर दुकान संचालक के खिलाफ की वैधानिक कार्यवाही

ग्वालियर, जीएनएस।
दीपावली एवं आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए विगत दिवस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह, भापुरे द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाकर कार्बाइड गन, अवैध एवं प्रतिबंधित पटाखों और विस्फोटक सामग्री के अवैध निर्माण, भंडारण, बिक्री एवं उपयोग के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे।

इसी तारतम्य में दिनांक 22.10.2026 को ग्वालियर पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना

प्राप्त हुई कि थाना मुरार क्षेत्रांतर्गत रामनगर कॉलोनी बारादरी में विकाश गुप्ता नाम के व्यक्ति ?द्वारा अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री पटाखे आदि कब्जे में रखे गये हैं। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर से एसएसपी ग्वालियर द्वारा डीएसपी अपराध श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार, डीएसपी अपराध श्री मनीष यादव एवं सीएसपी मुरार श्री संदीप बांगरे को थाना मुरार व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम बनाकर मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही कराने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी अपराध एवं सीएसपी मुरार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मुरार निरी0 गोविंद बल्लभ बगोली व थाना प्रभारी अपराध निरी0 अमित शर्मा के द्वारा क्राइम ब्रांच व थाना मुरार पुलिस की संयुक्त टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर कार्यवाही हेतु भेजा गया। पुलिस टीम ने मुखबिर के बताये अनुसार रामनगर कॉलोनी स्थित दुकान पर जाकर देखा तो दुकान पर एक व्यक्ति मिला, जिससे नाम व पता पूछने पर उसने अपना नाम विकास गुप्ता पुत्र महेश गुप्ता उम्र 40 साल

निवासी रामनगर कॉलोनी बारादरी मुरार का होना बताया। पुलिस द्वारा दुकान की तलाशी लेने पर दुकान के अन्दर 02 प्लास्टिक की बोरी एवं 03 कागज के बड़े कार्टून में चकरी पटाखे, सुतली बम्ब, बुलट बम्ब आदि भरे हुये पाये गये एवं दुकान के अन्दर अग्निशमन एवं विस्फोटक पदार्थों पर नियंत्रण करने संबंधी कोई संसाधन नहीं पाये गये। पुलिस द्वारा दुकान संचालक विकास गुप्ता से उक्त विस्फोटक सामग्री रखे जाने के संबंध में लायसेंस चाहा गया तो उसके ?द्वारा वर्तमान में लायसेंस नहीं होना बताया। उक्त व्यक्ति द्वारा

अनाधिकृत रूप से पटाखे आदि विस्फोटक एवं ज्वलनशील सामग्री दुकान के अन्दर रखा जाना पाया जाने से आरोपी का यह कृत्य विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 9(ख) एवं धारा 288 बीएनएस के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होने से उक्तानुसार पटाखों को विधिवत जप्त किया जाकर आरोपी विकास गुप्ता के खिलाफ थाना मुरार में अप0क्र0-564/26 धारा 288 बीएनएस एवं धारा 9(ख) विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जप्त विस्फोटक सामग्री:-

बुलट बम्ब, सुतली बम्ब, चकरी, अनार बम्ब कीमती लगभग 62,900/- रुपये के अवैध पटाखे किए जप्त।
सराहनीय भूमिका:-
उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मुरार निरी0 गोविंद बल्लभ बगोली, थाना प्रभारी अपराध निरी0 अमित शर्मा, क्राइम ब्रांच टीम- प्र.आर. दिनेश कुशवाह, प्र.आर. बेताल यादव, आर. जयहिन्द जादौन, आर. अभिषेक शर्मा, थाना मुरार टीम- उ.नि. जयकिशोर राजौरिया, आर. सौभाग्य उपाध्याय आर. जितेन्द्र शर्मा, आर. राहुल जाट की सराहनीय भूमिका रही है।

चुनावी सेवाओं तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने और सभी पात्र नागरिकों को सुविधा प्रदान करने हेतु हेल्पडेस्क स्थापित

भिण्ड, जीएनएस।
कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड श्री पवन कुमार जैन ने निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 की प्रक्रिया के दौरान हेल्पडेस्क कार्य के लिये कार्यालय उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग भिण्ड में हेल्पडेस्क स्थापित कर उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग भिण्ड सुश्री वंदना गंगल को नोडल

अधिकारी नियुक्त किया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र. भोपाल के दिनांक 16.10.2026 के द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 की प्रक्रिया के दौरान चुनावी सेवाओं तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने और सभी पात्र नागरिकों विशेष रूप से दिव्यांगजनों, प्रवासियों एवं बुजुर्ग मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने हेतु हेल्पडेस्क स्थापित करने के निर्देश दिये गये हैं।

एम.एल.बी. महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर सेमीनार आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस।
महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ग्वालियर में आज स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश कुमार अग्रवाल के संरक्षण में 'प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें' विषय पर एक सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. रवि शंकर पाठक ने विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण में प्रतियोगी परीक्षाओं की महत्ता पर प्रकाश



डाला। उन्होंने कहा कि उचित मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास, समय प्रबंधन और सकारात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। सेमीनार में टाइम कोचिंग

के सेंटर डायरेक्टर श्री जे.पी. गुप्ता ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने परीक्षा की तैयारी की रणनीति, प्रश्नों को हल करने की तकनीक

तथा समय के प्रभावी उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने एप्टीट्यूड (अभिक्षमता) से संबंधित व्यावहारिक प्रश्नों को हल करके विद्यार्थियों को उनकी प्रकृति एवं समाधान की विधि समझाई। उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिनव उपाध्याय ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. मनोज शर्मा ने किया। सेमीनार में महाविद्यालय के लगभग 70 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

नगर परिषद उदयपुरा में 'जन विश्वास जनसुनवाई' आयोजित: राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने मौके पर ही किया कई शिकायतों का निराकरण

नगर परिषद उदयपुरा में शुक्रवार को आयोजित 'जन विश्वास जनसुनवाई' कार्यक्रम में आम जनता की समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र शिवाजी पटेल उपस्थित रहे।

?जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्याओं, जैसे पेंशन, राशन, बिजली, पानी, राजस्व और अतिक्रमण से संबंधित आवेदन राज्य मंत्री के समक्ष रखे।



जनसुनवाई में आए आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने अधिकांश जनसमस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण करवाया। वहीं, जटिल और प्रक्रियाधीन मामलों को लेकर उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को

कड़ी चेतावनी देते हुए निश्चित समय-सीमा के भीतर समस्याओं को हल करने के निर्देश दिए। मंत्री पटेल ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'जनता की सेवा और उनकी समस्याओं का समाधान हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। जनसामान्य के कार्यों में किसी भी

प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उदयपुरा आते समय रास्ते में राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल की नजर एक अवैध रेत (रेत/रेत खनन) से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर पड़ी। बिना वैध दस्तावेजों और अवैध परिवहन की शंका होने पर उन्होंने तत्काल गाड़ी रुकवाई और संबंधित अधिकारियों व पुलिस प्रशासन को मौके पर तलब किया। मंत्री के कड़े निर्देशों के बाद अवैध रेत से भरी ट्रॉली को जब्त कर स्थानीय थाने में खड़ा करवाया गया और वैधानिक कार्रवाई शुरू की गई।

नलखेड़ा नगर की जनता की आखिर सुनेगा कौन? छोटे-छोटे विकास कार्यों के लिए भी भटक रहे नागरिक!

नलखेड़ा, आगर मालवा। नलखेड़ा नगर में बुनियादी सुविधाओं और छोटे-छोटे विकास कार्यों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सड़क, नाली, साफ-सफाई और पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए आखिर जनता कब तक इंतजार करेगी? नगरवासियों की परेशानियों पर जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि कब ध्यान देंगे? चुनाव के समय जनता से विकास के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव के बाद उन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए नागरिकों को

बार-बार अधिकारियों के चक्कर क्यों लगाने पड़ते हैं? सवाल यह भी है कि क्या जनता की अहमियत केवल वोट देने तक सीमित रह गई है। नगर की जनता को आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर विकास कार्य चाहिए। नगर परिषद और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करें। अब बड़ा सवाल यह है कि नलखेड़ा नगर की जनता की आवाज जिम्मेदारों तक कब पहुंचेगी और बुनियादी समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा?

योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है: आशीष प्रताप सिंह राठौड़

ग्वालियर, जीएनएस।
उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के तत्वावधान में शासकीय वृन्दासहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डबरा, जिला ग्वालियर में 22 अक्टूबर 2026 को जिला स्तरीय योग पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्वालियर जिले के विभिन्न महाविद्यालयों एवं जीवाजी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ एवं पुरस्कार वितरण

समारोह के मुख्य अतिथि जिला योजना समिति के सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रेम कुमार सागर ने की। विशिष्ट अतिथि श्री योगेंद्र कुशवाह, की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल एवं योग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, नियमित अभ्यास,



आत्मविश्वास एवं समर्पण आवश्यक हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं में प्राप्त अनुभवों से सीख लेते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए तथा अपनी प्रतिभा के माध्यम से महाविद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करना चाहिए।

उन्होंने युवाओं को योग अपनाकर शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं एकाग्रता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि योगेंद्र कुशवाह ने अपने वक्तव्य में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि

भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। योग के माध्यम से विदेशों में भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं जीवनशैली का प्रचार-प्रसार किया जा सकता है। आज योग को विश्वभर में मिल रही पहचान प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से योग का अभ्यास करने तथा इसके माध्यम से अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। दोनों अतिथियों ने विभिन्न योग स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का

उत्साहवर्धन किया तथा विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के महिला वर्ग की ट्रेडिशनल योगा दल स्पर्धा में शासकीय वी.आर.जी. महाविद्यालय, मुरार, ग्वालियर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता होने का गौरव हासिल किया, जबकि स्कूल ऑफ स्टडीज, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर की टीम उपविजेता रही। पुरुष वर्ग की ट्रेडिशनल योगा दल स्पर्धा में डॉ. भगवत सहाय शासकीय महाविद्यालय, ग्वालियर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यस्थल पर सफलता के लिए युवाओं में आवश्यक कौशल

डॉ. विजय गर्ग
डॉ. विजय गर्ग
आज के तेजी से बदलते दौर में केवल शैक्षणिक योग्यता और अच्छी डिग्री व्यावसायिक सफलता की गारंटी नहीं रह गई है। शिक्षा का महत्व आज भी सर्वोपरि है, लेकिन आधुनिक कार्यस्थल ऐसे युवाओं की अपेक्षा करता है, जो प्रभावी संवाद कर सकें, आलोचनात्मक सोच रख सकें, समस्याओं का समाधान खोज सकें, टीम के साथ मिलकर काम कर सकें और बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। कक्षा से कार्यस्थल तक की यात्रा में किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल, नैतिक मूल्यों और निरंतर सीखने की इच्छा का होना आवश्यक है।

लंबे समय से विद्यार्थियों को अच्छे अंक प्राप्त करने, डिग्री हासिल करने और प्रतिष्ठित नौकरी पाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। ये उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वास्तविक कार्यक्षमता का आकलन केवल प्रमाणपत्रों से नहीं किया जा सकता। डिग्री नौकरी के अवसर उपलब्ध करा सकती है, परंतु किसी व्यक्ति की सफलता उसकी कार्यकुशलता, जिम्मेदारी, सहयोग की भावना और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता पर निर्भर करती है।

संवाद कौशल और पारस्परिक व्यवहार

प्रभावी संवाद कार्यस्थल पर सफलता की बुनियाद है। कर्मचारियों को अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करने, दूसरों की बात ध्यानपूर्वक सुनने, पेशेवर संदेश लिखने और सहकर्मियों, ग्राहकों तथा अधिकारियों के साथ सम्मानपूर्वक बातचीत करने में सक्षम होना चाहिए। अच्छे संवाद गलतफहमियों को दूर करता है, आपसी विश्वास बढ़ाता है और टीम

की उत्पादकता में सुधार लाता है। युवाओं को बोलने, लिखने और प्रस्तुति देने का अभ्यास करना चाहिए। साथ ही, दूसरों के विचारों का सम्मान करना और रचनात्मक आलोचना को सकारात्मक रूप से स्वीकार करना भी सीखना चाहिए। कार्यस्थल पर केवल अपनी बात मनवाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि दूसरों के दृष्टिकोण को समझना और आवश्यकता पड़ने पर अपनी राय में सुधार करना भी महत्वपूर्ण है।

आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान

आज नियोक्ता ऐसे युवाओं को प्राथमिकता देते हैं, जो समस्याओं को पहचानने, उपलब्ध तथ्यों का विश्लेषण करने और व्यावहारिक समाधान खोजने की क्षमता रखते हों। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग ने इस कौशल का महत्व और बढ़ा दिया है। जब तकनीक अनेक नियमित कार्य कर सकती है, तब स्वतंत्र चिंतन, विवेकपूर्ण निर्णय और रचनात्मकता अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, प्रमाणों की जांच करने, विभिन्न विकल्पों की तुलना करने और निर्णय लेने से पहले उनके संभावित परिणामों पर विचार करने की आदत विकसित करनी चाहिए। शिक्षा को केवल तथ्यों को याद करने तक सीमित रखने के बजाय वास्तविक जीवन की समस्याओं, प्रयोगों, परियोजनाओं और रचनात्मक गतिविधियों पर केंद्रित करना आवश्यक है।

डिजिटल साक्षरता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

तकनीक ने स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, शिक्षा, उद्योग और व्यापार सहित लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। इसलिए युवाओं के लिए

डिजिटल उपकरणों का उपयोग, आवश्यक सॉफ्टवेयर की जानकारी, आंकड़ों को समझने और साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियमों का ज्ञान आवश्यक हो गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर पैदा करने के साथ-साथ अनेक पारंपरिक कार्यों का स्वरूप भी बदल रही है। युवाओं को एआई उपकरणों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना, उनसे प्राप्त जानकारी की सत्यता जांचना और व्यक्तिगत तथा संस्थागत आंकड़ों की गोपनीयता बनाए रखना सीखना चाहिए। तकनीक का उद्देश्य मानवीय विवेक और रचनात्मकता को मजबूत करना होना चाहिए, न कि बिना सोचे-समझे उस पर निर्भर हो जाना।

टीमवर्क, अनुकूलनशीलता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता

आधुनिक कार्यस्थलों पर विभिन्न अनुभवों और पृष्ठभूमियों वाले लोगों को मिलकर काम करना पड़ता है। ऐसे में टीमवर्क, आपसी सम्मान, सहयोग, धैर्य और जिम्मेदारियों को साझा करने की भावना अत्यंत आवश्यक है। किसी टीम की सफलता केवल एक प्रतिभाशाली व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सभी सदस्यों के समन्वय पर निर्भर करती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता व्यक्ति को अपनी भावनाओं को समझने, दूसरों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहने और मतभेदों को शांतिपूर्वक सुलझाने में सहायता करती है। इसी प्रकार, अनुकूलनशीलता युवाओं को नई परिस्थितियों, बदलती जिम्मेदारियों और उभरती तकनीकों के अनुरूप काम करने में सक्षम बनाती है। जो युवा नई चीजें सीखने और अपनी कार्यशैली में सुधार करने के लिए

तैयार रहते हैं, वे व्यावसायिक चुनौतियों का बेहतर सामना कर सकते हैं।

समय प्रबंधन और नैतिक मूल्य

समय की पाबंदी, कार्यों की प्राथमिकता तय करना और निर्धारित समय-सीमा में जिम्मेदारियों को पूरा करना सफल पेशेवर जीवन के महत्वपूर्ण गुण हैं। उचित समय प्रबंधन से उत्पादकता बढ़ती है, तनाव कम होता है और कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होता है।

इसके साथ ही ईमानदारी, जवाबदेही, विश्वसनीयता और नैतिक व्यवहार का विशेष महत्व है। नियोक्ता ऐसे कर्मचारियों पर भरोसा करते हैं, जो अपने वादे निभाते हैं, गलतियों को स्वीकार करते हैं और जानकारी का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करते हैं। तकनीकी दक्षता तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग नैतिक मूल्यों के अनुरूप किया जाए।

व्यावहारिक अनुभव और वित्तीय साक्षरता

व्यावहारिक अनुभव और वित्तीय साक्षरता

इंटरनशिप, अप्रेंटिसशिप, स्वयंसेवा, शैक्षणिक परियोजनाओं और अंशकालिक कार्यों के माध्यम से युवाओं को वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव मिलता है। इससे उन्हें किताबी ज्ञान को व्यवहार में लागू करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर मिलता है।

विद्यालयों और महाविद्यालयों को उद्योगों तथा स्थानीय व्यवसायों के साथ सहयोग बढ़ाना चाहिए। अभ्यास साक्षात्कार, करियर मार्गदर्शन, कौशल प्रशिक्षण और परियोजना-आधारित शिक्षा युवाओं को रोजगार के लिए बेहतर ढंग से तैयार कर सकती है।

वित्तीय साक्षरता भी युवाओं के लिए आवश्यक है। वेतन, बजट, बचत, कर, निवेश और ऋण संबंधी बुनियादी जानकारी उन्हें अपनी आय का उचित प्रबंधन करने तथा जिम्मेदारीपूर्ण वित्तीय निर्णय लेने में मदद करती है।

शैक्षणिक संस्थानों, परिवार और सरकार की

भूमिका

युवाओं को रोजगार योग्य बनाना केवल उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों को पाठ्यक्रम में व्यावहारिक प्रशिक्षण, डिजिटल दक्षता, संवाद कौशल, उद्यमशीलता और नैतिक शिक्षा को उचित स्थान देना चाहिए। शिक्षकों को विद्यार्थियों में जिज्ञासा, स्वतंत्र चिंतन और रचनात्मक समस्या-समाधान की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए।

परिवारों को भी बच्चों पर सफलता की एक ही परिभाषा थोपने के बजाय उनकी रुचियों और क्षमताओं को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। वहीं, सरकारों और नियोक्ताओं को किफायती कौशल प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप और आजीवन सीखने के अवसरों का विस्तार करना चाहिए, ताकि विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों के युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-ग्वालियर माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू.क्र./एन.एच.एम./06/2026-27/429 भोपाल दिनांक 14/10/2026

“निविदा आमंत्रण सूचना”

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग ग्वालियर की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेंडरिंग के माध्यम) से (www.mptenders.gov.in) (Department of Directorate of Health Services) से निविदा आमंत्रण सूचना सरल क्रमांक 01 से 06 तक 02 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र “अ” फार्म में परसेटेंज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग (भवन) भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दफा पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:-

ई-निविदा सूचना क्रमांक 06/2026-27 दिनांक 14.10.2026

सं. क्र.	टेंडर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रु.	टेंडर दर राशि रु.	समय व सीमा वर्षांकाल सहित
1.	2026_DHS_544321_1	जिला चिकित्सालय अशांकरनगर सिविल अस्पताल चंदेरी एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहादुरपुर विकासखण्ड मुगावली के मातृ स्वास्थ्य इकाईयों में मरम्मत एवं उन्नयन का कार्य।	44.19	50,000.00	5,000.00	04 माह
2.	2026_DHS_544322_1	जिला भिण्ड के सिविल अस्पताल लहार सिविल अस्पताल गोहद, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेहगांव एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गोस्मी विकासखण्ड मेहगांव के मातृ स्वास्थ्य इकाईयों में मरम्मत एवं उन्नयन का कार्य।	76.17	76,170.00	10,000.00	06 माह
3.	2026_DHS_544324_1	जिला गुना के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बीनागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राधोगंज, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मकसूदनगढ़ विकासखण्ड राधोगंज एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रुठियाई विकासखण्ड राधोगंज के मातृ स्वास्थ्य इकाईयों में मरम्मत एवं उन्नयन का कार्य।	75.83	75,830.00	10,000.00	06 माह
4.	2026_DHS_544326_1	जिला ग्वालियर के सिविल अस्पताल डबरा व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भितरवार एवं जिला सुरना के सिविल अस्पताल अम्बाह व सिविल अस्पताल सबलगढ़ के मातृ स्वास्थ्य इकाईयों में मरम्मत एवं उन्नयन का कार्य।	96.08	96,080.00	10,000.00	06 माह
5.	2026_DHS_544327_1	जिला श्योपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करहाल एवं जिला शिवपुरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोहरी के मातृ स्वास्थ्य इकाईयों में मरम्मत एवं उन्नयन का कार्य।	33.23	50,000.00	5,000.00	04 माह
6.	2026_DHS_544329_1	जिला चिकित्सालय शिवपुरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खनियाधाना, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोलास सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बैरड़, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बदलास, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रनौद विकासखण्ड खनियाधाना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिसौद विकासखण्ड करौरा के मातृ स्वास्थ्य इकाईयों में मरम्मत एवं उन्नयन का कार्य।	81.95	81,950.00	10,000.00	06 माह

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट (http://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है। 2. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दिनांक 22.10.2026 प्रातः 10:30 से दिनांक 04.11.2026 सायं 17:30 तक क्रय किये जा सकते हैं। 3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी। 4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट (http://www.mptenders.gov.in) पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रों में नहीं। 5. निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है। 6. उपरोक्तानुसार कार्यों का विस्तृत विवरण ऑन-लाईन में देखा जा सकता है।

G-20488/26

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-ग्वालियर

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)

E-mail modgmshi@mp.gov.in

पत्र क्रमांक/2151/3-6/खनिज/क्यू.एल. 88/2026 शिवपुरी, दिनांक 22.10.2026
म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क) (2) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वक्षेपण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती विमलेश आदिवासी पत्नी श्री अमोल आदिवासी निवासी बगबाला गाँव सबराई ग्वालियर जिला ग्वालियर म.प्र. के द्वारा जिला शिवपुरी तहसील पिछोर के ग्राम कमालपुर की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 2801 रकबा 4.00 हैक्टर क्षेत्र पर गिट्टी, बाल्टर, एम.सैण्ड खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 08.09.2026 प्रस्तुत किया गया। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 18/09/2026 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 05/11/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल <https://ekhanij.mp.gov.in> पर प्रस्तुत किए जाएंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/करबा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा है. में	आवेदित रकबा है. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	पिछोर	कमालपुर	2801	22.020	4.00	शासकीय	गिट्टी, बाल्टर एम सैण्ड	

- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बन्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
- यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनिज रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
- निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

G-20447/26

जानकी सेना संगठन के महासचिव नरेशप्रताप सिंह (बॉबीराजा) के निवास पर हुई बैठक श्रीधाम वृंदावन में 14 नवंबर से होगा श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव, तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

शिवपुरी जीएनएस
श्रीधाम वृंदावन में 14 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव एवं संस्कार सेवा ट्रस्ट (आश्रम) के उद्घाटन समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जानकी सेना संगठन के महासचिव नरेशप्रताप सिंह (बॉबीराजा) के झांसी हवाई पट्टी रोड स्थित निज निवास पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा कर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता संस्कार सेवाश्रम, श्रीधाम वृंदावन के हरिमोहन दास जी महाराज ने की। इस अवसर पर कथा की प्रधान यजमान जनपद



पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हेमलता रघुवीर रावत, कथा के यजमान शिवशंकर सेठ, महेन्द्र शर्मा, रघुराज प्रताप सिंह वैश, प्रमोद रावत सहित कथा के अन्य यजमान विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते

हुए श्रद्धालुओं की सुविधा तथा कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने की तैयारियों पर विचार किया गया। उल्लेखनीय है कि श्रीधाम वृंदावन में आयोजित होने वाले इस श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के अंतर्गत 14 से 20 नवंबर तक विभिन्न धार्मिक एवं

आध्यात्मिक कार्यक्रम होंगे। इसके साथ ही संस्कार सेवा ट्रस्ट (आश्रम) का उद्घाटन समारोह भी आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं तथा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए बैठक में आवश्यक चर्चा की गई।

स्वामित्व योजना में लापरवाही पर की कार्यवाही, दो पटवारियों की दो-दो वार्षिक वेतनवृद्धि रोकी

शिवपुरी जीएनएस
स्वामित्व योजना के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन कार्य में घोर लापरवाही बरतने और प्रगति शून्य होने पर दो पटवारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अप्रिंत वर्मा के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोलारस शिवदयाल धाकड़ द्वारा पटवारी ग्राम गोरालीला श्री मुकेश श्रीवास्तव एवं पटवारी ग्राम लालपुर, बीजरी तहसील रजौद चन्द्रपाल यादव की 02-02 वार्षिक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए गए हैं।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेखों से संबंधित हस्तांतरण विलेख के पंजीयन हेतु राजस्व विभाग द्वारा पटवारियों को निष्पादक

घोषित किया गया है। एसडीएम कोलारस द्वारा जारी आदेश के तहत पटवारी ग्राम गोरालीला मुकेश श्रीवास्तव को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब का अवलोकन करने पर वह संतोषजनक नहीं पाया गया तथा आज दिनांक तक उनके क्षेत्र में स्वामित्व रजिस्ट्री की प्रगति शून्य पाई गई। वहीं दूसरी ओर, पटवारी ग्राम लालपुर, बीजरी (तहसील रजौद) चन्द्रपाल यादव द्वारा नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया और उनके क्षेत्र में भी प्रगति शून्य रही। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोलारस ने म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1966 के तहत मुकेश श्रीवास्तव एवं चन्द्रपाल यादव दोनों की 02-02 वार्षिक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है।

शासकीय कार्यों में लापरवाही पर पांच पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

शिवपुरी जीएनएस
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अप्रिंत वर्मा के निर्देशानुसार एसडीएम कोलारस शिवदयाल धाकड़ द्वारा शासकीय कार्य-दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पर 5 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।
स्वामित्व योजना के पंजीयन में शून्य प्रगति पर नोटिस : स्वामित्व योजना के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेखों से संबंधित हस्तांतरण विलेख के पंजीयन हेतु

पटवारियों को निष्पादक घोषित किया गया है। सतत निर्देशों के बावजूद हल्के में स्वामित्व रजिस्ट्री की संख्या शून्य रहने पर एसडीएम कोलारस द्वारा पटवारी हल्का नंबर 164 सेसईखुर्द के पटवारी अमित रघुवंशी तथा पटवारी हल्का नंबर 167 किशनपुर के पटवारी पार्थ किरार को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।
सीएम हेल्पलाइन, वसूली में रुचि न लेने पर 3 पटवारियों को नोटिस : इसी क्रम में तहसील रजौद अंतर्गत

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की अधिक संख्या लंबित रहने, राजस्व वसूली कार्य में रुचि न लेने, सतत निर्देशों के बावजूद कार्य में प्रगति न लाने तथा तहसील मुख्यालय/हल्के पर निवास न करने की गंभीर लापरवाही पर 3 अन्य पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें पटवारी हल्का नंबर 120 रजौद के पटवारी श्री रवि भदौरिया, पटवारी हल्का नंबर 103 ढकौरा के पटवारी मधुर मिलन पाठक तथा पटवारी हल्का नंबर 102 सुनाज एवं

109 अकौदा के पटवारी श्री पदम शर्मा शामिल हैं। एसडीएम कोलारस द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित पटवारियों का यह कृत्य शासकीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता का द्योतक होकर म.प्र. सिविल सेवा नियम 1965 के नियम 03 का स्पष्ट उल्लंघन है। सभी संबंधितों को 02 दिवस के भीतर उपस्थित होकर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

श्री करणी सेना के अभिषेक सिंह रघुवंशी बने मध्यप्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष

शिवपुरी जीएनएस
श्री करणी सेना संगठन द्वारा अभिषेक सिंह रघुवंशी को मध्यप्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेन्द्र सिंह राणा ने 21 अक्टूबर 2026 को नियुक्ति पत्र जारी कर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। नियुक्ति पत्र के अनुसार, अभिषेक सिंह रघुवंशी, पिता जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, निवासी शिवपुरी को मध्यप्रदेश में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। संगठन ने उनसे अपेक्षा जताई है कि वह संगठन के उद्देश्यों, अनुशासन एवं नियमों का पालन



करते हुए समाजहित में निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे। इस नियुक्ति से शिवपुरी सहित मध्यप्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। अभिषेक सिंह रघुवंशी को नई जिम्मेदारी मिलने पर समर्थकों एवं शुभचिंतकों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

डॉ. मंजुलता गर्ग बनीं तात्याटोपे विवि में डीन

शिवपुरी जीएनएस. शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया पीजी कॉलेज की अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. मंजुलता गर्ग को राज्यपाल के आदेशानुसार क्रांतिवीर तात्याटोपे विश्वविद्यालय, गुना में सामाजिक विज्ञान विषयों का डीन नियुक्त किया गया है। अर्थशास्त्र में एम.फिल. एवं पीएच.डी. डॉ. गर्ग शोध मार्गदर्शक भी हैं। उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय में शोध, नवाचार और पाठ्यक्रमों के आधुनिकीकरण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।



पुलिस ने शराब पीने के लिए जबरन पैसों की मांग करने वाले को किया गिरफ्तार

शिवपुरी जीएनएस
पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. डी. प्रजापति एवं सीएसपी सचिन कुमार धुर्वे के मार्ग निर्देशन में फरियादी जीतू प्रजापति पुत्र

चिम्पनलाल प्रजापति उम्र 30 साल नि. कमलागंज बाबू क्वार्टर झोंगुरा ने आरोपी अंकित उर्फ झोंगा द्वारा शराब पीने के लिये अवैध रूप से पैसे मांग करने तथा न देने पर मारपीट करने के संबंध में रिपोर्ट लेख कराई थी, जिस पर से

अपराध क्रमांक 228/26 धारा 119(1), 115(2), 296(डू), 351(3) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश की गई जो घर पर उपस्थित मिला जिसे गिरफ्तार

किया जाकर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने में निरीक्षक अवनीश सिंह राठौड, उनि रामेन्द्र सिंह चौहान, प्र.आर.उदल गुर्जर आर.हरिओम यादव, आर. राजदेव की सहायनीय भूमिका रही है।

कलेक्टर श्री वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक, उद्यमियों को दी गई जानकारी

मुख्य डाकघर में डाक निर्यात केंद्र क्रियान्वित, स्थानीय उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार

शिवपुरी
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अप्रिंत वर्मा की अध्यक्षता में जिले के उद्यमियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भारतीय डाक विभाग की महत्वाकांक्षी पहल डाक निर्यात केंद्र योजना की विशेष रूप से जानकारी दी गई और बताया गया कि शिवपुरी मुख्य डाकघर में काउंटर क्रियान्वित है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निर्यातकों को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराना है, जिससे वे अपने उत्पादों को वैश्विक स्तर पर अन्य देशों में भी

पहुँचा सकते हैं।
स्थानीय स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय बुकिंग संभव : शिवपुरी मुख्य डाकघर के माध्यम से मुख्य रूप से जैकेट्स एवं गारमेंट्स, पत्थर शिल्प एवं हस्तशिल्प तथा खाद्य पदार्थ एवं मसाले जैसे स्थानीय उत्पादों को अब सीधे वैश्विक बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है किसी भी उद्यमी को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। स्थानीय स्तर पर भी अंतर्राष्ट्रीय बुकिंग संभव है। डाक विभाग शिवपुरी द्वारा दी गई जानकारी अनुसार डिजिटल पोर्टल



पर ऑनलाइन कस्टम क्लियरेंस और कागज मुक्त प्रक्रिया उपलब्ध है। डिजिटल रिकॉर्ड से त्वरित ड्यूटी ड्राइव और टैक्स रिफंड की

सुविधा है। इसके अतिरिक्त यह निजी कोरियर की तुलना में किफायती है। उन्होंने बताया कि इसके तहत व्यावसायिक दस्तावेज

एवं पुस्तक, इंजीनियरिंग मशीनरी पार्ट्स, सूखे खाद्य पदार्थ एवं मसाले, पत्थर शिल्प एवं हस्तशिल्प, जैकेट एवं गारमेंट्स जैसी वस्तुएं भेजी जा सकती हैं।
आवश्यक दस्तावेज एवं पंजीकरण : निर्यात हेतु डीजीएफटी पंजीकरण अनिवार्य है। सरकारी रियायतों का लाभ लेने के लिए एमएसएमई उद्यम पंजीकरण होना चाहिए। इसके अतिरिक्त जीएसटी रजिस्ट्रेशन जरूरी है। डाक विभाग की वेबसाइट पर निशुल्क प्रोफाइल पंजीयन की सुविधा दी गई है। उद्यमी घर बैठे ही

पार्सल बुक कर सकते हैं और एंड टू एंड ट्रैकिंग सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिले के हस्तशिल्पियों, उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों के साथ समन्वय स्थापित कर उन्हें शिवपुरी मुख्य डाकघर में संचालित डाक निर्यात केंद्र की प्रक्रियाओं, दस्तावेजों और मिलने वाले लाभों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर व्यापार, निर्यात और रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना है।

शासकीय अस्पताल को शिफ्ट हुए 6 महीने हो गए स्पेशलिस्ट डॉक्टर आज तक नहीं आए

पोरसा, जीएनएस।
6 महीने हो गए अस्पताल को शिफ्ट हुए,,उद्घाटन के समय की गई घोषणा को भी 6 महीने हो गए स्पेशलिस्ट डॉक्टर आज तक नहीं आए ,,शासकीय अस्पताल में कैटीन खोले जाने की मांग,, स्पेशलिस्ट डॉक्टर की आवश्यकता है,,नर्स के 12 पद स्वीकृत है मात्र चार नर्स मौजूद है जिससे गुजर बसर हो रही है,,शासकीय अस्पताल पोरसा को शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर नई बिल्डिंग में शिफ्ट किए जाने के बाद गरीब और ग्रामीण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर और शहर के आसपास लगे गांव के मरीजों की संख्या पोरसा में कम हुई और अस्पताल में भिंड के मरीजों की संख्या बाड़ी,,जहां पहले अस्पताल में प्रतिदिन 600 से 700 मरीजों की ओपीडी हुआ करती थी,

वहीं अब यह संख्या घटकर महज 400 से 500 रह गई है। अन्तर है पोरसा के मरीज घटे और भिंड जिले के मरीज बडे ,,अस्पताल के दूर चले जाने से खासकर गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीज इलाज से वंचित हो रहे हैं। उनके पास न तो पर्याप्त साधन हैं और न ही पैसे, जिससे वे इतनी दूरी तय कर सकें। ऐसे में शहर के अंदर खाली पड़ी पुरानी अस्पताल बिल्डिंग में मिनी अस्पताल खोले जाने की मांग लगातार जोर पकड़ती जा रही है।एवं नए अस्पताल में कैटीन खोले जाने की मांग आम जनता ने किया क्योंकि जो डिलीवरी होती है उनको डिलीवरी के बाद जो चाय दी जाती है चाय उपलब्ध नहीं हो पाती है लोगों को 4 किलोमीटर दूर शहर पोरसा आकर के चाय लेकर के जाना पड़ता है गौरतलब है कि वर्ष 2004 में

अस्पताल 4 किमी दूर शिफ्ट होने से गरीब मरीज परेशान



तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री रुस्तम सिंह द्वारा पोरसा अस्पताल में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की नियुक्ति की घोषणा की गई थी, लेकिन आज तक यह घोषणा धरातल पर नहीं उतर सकी। हाल ही में नई बिल्डिंग के शुभारंभ के दौरान भी स्पेशलिस्ट डॉक्टर भेजने की बात कही गई थी, जो अब तक पूरी नहीं हुई है। आसिफ खां पठान ने बताया कि पोरसा अस्पताल की बिल्डिंग जो खाली है उसमें मिनी अस्पताल खोला जाए

जिससे लोगों को गरीबों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके गरीबों के पास कितना पैसा नहीं है कि वह 4 किलोमीटर दूर जा सके व्यापार संघ अध्यक्ष महावीर जैन का कहना है कि अस्पताल में अधिकांश गरीब मरीज इलाज कराने आते हैं, लेकिन इतनी दूर होने के कारण वे अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। उन्होंने शासन से मांग की है कि शहर के अंदर मिनी अस्पताल खोला जाए,, एवं

नये अस्पताल में कैटीन खोली जाए,, कांग्रेस विधानसभा प्रभारी सुधीर सिंह तोमर उर्फ मोनू सिंह तोमर ने कहा कि अस्पताल के दूर जाने से मरीजों को गंभीर परेशानियां हो रही हैं, इसलिए शहर में ही एक मिनी अस्पताल की व्यवस्था की जानी चाहिए। तथा नया अस्पताल में कैटीन खुली जाए जिससे डिलीवरी वालों को तथा मरीज के अड्डेशों को परेशानी ना हो वहीं कौथर खुर्द निवासी श्रीमती उषा देवी तोमर ने बताया कि उनके गांव से पोरसा तक पहले ही 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, उसके बाद 4-5 किलोमीटर और अस्पताल तक जाना बेहद मुश्किल हो गया है,, तथा नए अस्पताल में कोई सुविधा नहीं है कोई कैटीन नहीं है मरीज के साथ आए हुए व्यक्ति कहां क्या करें चाय तक उपलब्ध नहीं होती है खोयला के जयकरण जाटव

और जगदीशगढ़ के सुनील सखवार ने भी कहा कि अस्पताल दूर होने से गरीबों के इलाज पर संकट खड़ा हो गया है और शहर में मिनी अस्पताल खोला जाना बेहद जरूरी है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की मांग है कि शासन जल्द से जल्द शहर के भीतर मिनी अस्पताल शुरू करे, ताकि गरीब और जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सकें,, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर शैलेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि कैटीन के लिए महिला स्वा सहायता समूह को शासन ने राशि आवंटित की है,, सीएम एचओ मुरना के माध्यम से कैटीन खुलने की संभावना है,, स्पेशलिस्ट डॉक्टर चिकित्सक के लिए हमने ऊपर लिखा हुआ है ऊपर से नियुक्ति होने के बाद स्पेशलिस्ट डॉक्टर चिकित्सक की आने की संभावना है।

दीपावली पर सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, त्योहार में विशेष अभियान के रूप में करें कार्य : अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव

ग्वालियर, जीएनएस।
दीपावली पर्व के दौरान शहर में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव ने सिटी सेंटर स्थित बाल भवन स्थित टीएलसी हॉल में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक में उन्होंने दीपावली के अवसर पर 15 दिनों तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाने तथा सुबह और शाम नियमित रूप से सफाई कार्य कराने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त आईईसी श्री मुकेश बंसल, नोडल अधिकारी आईईसी श्री शैलेन्द्र सक्सेना, कार्यपालन यंत्री कार्यशाला श्री पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, डिपो प्रभारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान सफाई व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए। बैठक में अपर आयुक्त ने खुले में कचरा जलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों से निकलने वाले कचरे को खुले में फेंकने वालों पर चालानी कार्रवाई की जाए तथा ऐसे मामलों को प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित सक्षम प्राधिकारी के संज्ञान में लाया जाए। इसके साथ ही मीट मार्केट से निकलने वाले कचरे के संग्रहण के लिए अलग से वाहन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

वरिष्ठ नागरिकों ने रेलवे रियायत बहाल कराने की उठाई मांग

फिरोजाबाद, जीएनएस।
वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं और सुविधाओं को लेकर वृद्धजन समिति के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सदर विधायक मनीष असीजा को ज्ञापन सौंपा। इसमें कोरोना काल के बाद बंद हुई रेलवे की वरिष्ठ नागरिक रियायत को फिर से शुरू कराने समेत कई मांगें

उठाई गई। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि कोरोना काल के बाद रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों को किराये में मिलने वाली रियायत बंद कर दी थी। इसे जल्द बहाल कराया जाए। साथ ही कोरोना काल में फिरोजाबाद स्टेशन पर बंद किए गए ट्रेनों के ठहराव दोबारा शुरू कराने और अन्य

सुपरफास्ट ट्रेनों का भी ठहराव कराने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन राशि में अन्य राज्यों की तुलना पर बढ़ोतरी की मांग की। नगर निगम द्वारा बनाए गए सीनियर सिटीजन सेंटर को भी जल्द शुरू कराने को कहा। समिति के अनुसार सेंटर में पुस्तकालय, मनोरंजन सहित

वरिष्ठ नागरिकों के लिए अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी हैं। इसके अलावा वरिष्ठ महिलाओं की तरह वरिष्ठ नागरिकों को भी रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में द्विजेंद्र मोहन शर्मा, डॉ. प्रभास्कर राय, ओम प्रकाश शर्मा और ईएससी अग्रवाल मौजूद रहे।

निर्दलीय प्रत्याशी के कैंप पहुंचे भाजपा विधायक यूजीसी को लेकर वोटर्स ने जताई नाराजगी

नारखी में मतदान के दौरान बढ़ी सियासी हलचल, समर्थकों ने कहा- यूजीसी के खिलाफ जारी रहेगा विरोध
फिरोजाबाद, जीएनएस।
आगरा खंड स्नातक विधान परिषद सीट के लिए शुक्रवार को मतदान के दौरान नारखी में सियासी हलचल देखने को मिली। भाजपा प्रत्याशी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह 'गुरुजी' और निर्दलीय प्रत्याशी युवराज अमरीश पाल सिंह के समर्थक अपने-अपने पक्ष में मतदान के लिए जुटे रहे। पुलिस-प्रशासन ने भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। नारखी चौराहे पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर यातायात और सुरक्षा



व्यवस्था संभाली। सीओ टूंडला अरुण कुमार चौरसिया और थाना प्रभारी संजय कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। इसी दौरान टूंडला के भाजपा विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर कार्यकर्ताओं के साथ नारखी पहुंचे। वह निर्दलीय प्रत्याशी

अमरीश पाल सिंह के चुनावी कैंप में भी गए और वहां मौजूद समर्थकों व स्नातक मतदाताओं से मुलाकात की। भाजपा विधायक के निर्दलीय प्रत्याशी के कैंप पर पहुंचने को लेकर राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गईं। कैंप में मौजूद कुछ मतदाताओं ने यूजीसी के

प्रावधानों को लेकर अपनी नाराजगी विधायक के सामने रखी। उन्होंने कहा कि यूजीसी को लेकर विरोध जारी रहेगा। इसका असर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भी दिखाई देने का दावा किया गया। राजा भैया डोरसा ने कहा कि सरकार यूजीसी जैसे कानून लाकर सवर्ण समाज के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। इसका विरोध वोट की चोट से किया जाएगा। आगरा खंड स्नातक सीट पर भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच मुकाबला माना जा रहा है। मतदान सुबह आठ से शाम चार बजे तक हुआ। अब सभी की निगाहें 27 अक्टूबर को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं।

माथुर वैश्य समाज पोरसा खेलकूद प्रतियोगिता में विजेताओं की सूची घोषित, पुरस्कार 25 अक्टूबर को दीये जायेंगे

पोरसा, जीएनएस।
अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा की 139वीं जयंती महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पोरसा माथुर वैश्य समाज के द्वारा दिनांक 11 अक्टूबर एवं 14 अक्टूबर को माथुर वैश्य धर्मशाला पोरसा में खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें महिला पुरुष बालक बालिकाओं ने भाग लिया तथा प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों का 25 अक्टूबर को माथुर वैश्य धर्मशाला पोरसा में पुरस्कृत किया जायेगा, तथा 12 लोगों सम्मान किया

जाएगा तथा खेलकूद प्रतियोगिता में जिन प्रतिभागियों ने भाग लिया उन सभी का भी सम्मान किया जाएगा उक्त जानकारी रामकुमार गुप्ता,राकेश गुप्ता,अंकुर गुप्ता श्रीकिशन गुप्ता,अनुराग गुप्ता ने दी खेलकूद में कैरम प्रतियोगिता , चेयररस,लूडो,बाल्टी बॉल, एक मिनट प्रतियोगिता,चेस, रील प्रतियोगिता,बेलन चूड़ी प्रतियोगिता,गुट्टा प्रतियोगिता,आदि खेलों में खिलाड़ियों का सम्मान किया जाएगा,,,, घोषित परिणामों के अनुसार कैरम बेन बॉय के प्रथम पुरस्कार की आयुष गुप्ता,



द्वितीय शुभ गुप्ता तथा कैरम जूनियर बॉय में प्रथम अनमोल गुप्ता, द्वितीय अंश गुप्ता,कैरम सीनियर बॉय प्रथम स्थान ओम गुप्ता, दूसरी स्थान विद्युत गुप्ता, तृतीय स्थान प्रतीक गुप्ता को मिला, कैरम सीनियर गर्ल्स प्रथम स्थान रक्षा गुप्ता,, दूसरे स्थान आस्था गुप्ता

,,चेयर रेस गर्ल्स प्रथम स्थान वंशिका गुप्ता,, द्वितीय स्थान आराध्या गुप्ता,, तृतीय स्थान राधिका गुप्ता को मिला,, चेयर रेस सीनियर गर्ल्स प्रथम स्थान लक्ष्मी गुप्ता ,,द्वितीय स्थान आभा गुप्ता ,,तृतीय स्थान कनक गुप्ता को मिला,, चेयर रेस मैन जूनियर

गर्ल्स प्रथम स्थान अनन्या गुप्ता,, द्वितीय स्थान वंशिका गुप्ता ,,तृतीय स्थान देवांशी गुप्ता को प्राप्त हुआ,, लूडो सीनियर गर्ल्स प्रथम स्थान संयोगिता गुप्ता,, द्वितीय स्थान सौम्या गुप्ता ,,लूडो जूनियर गर्ल्स प्रथम स्थान आराध्या गुप्ता, द्वितीय स्थान अपर्णित गुप्ता,,चेयर रेस जूनियर बॉय आयुष गुप्ता प्रथम स्थान ,,नीतिका गुप्ता को द्वितीय स्थान, ध्रुव गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ ,चेयर रेस मिनी बॉय मिनी बॉय प्रथम स्थान उत्कर्ष गुप्ता ,द्वितीय स्थान वेदका गुप्ता को मिला, तृतीय स्थान सौर्या गुप्ता,,

बाल्टी बाल में प्रथम स्थान वंशिका गुप्ता,, 1 मिनट जूनियर गर्ल्स प्रथम स्थान स्वाहनी गुप्ता,, द्वितीय स्थान आराध्या गुप्ता को मिला,,चेयर सीनियर गर्ल्स प्रथम स्थान मेघा गुप्ता ,,द्वितीय स्थान संचिता गुप्ता को प्राप्त हुआ,, चैस जूनियर गर्ल्स पवनी गुप्ता को प्रथम स्थान मिला,,चेस सीनियर बॉय अंकित गुप्ता को प्रथम ,,गोपाल गुप्ता को द्वितीय,,चेस जूनियर बॉय शुभ गुप्ता को प्रथम ,,आयुष गुप्ता को द्वितीय स्थान,, चेस जूनियर बॉय श्याम गुप्ता विजेता रहे।

अग्रवाल समाज बदरवास की नवीन कार्यकारिणी का गठन, गोपालदास अग्रवाल पुनः बने समाज अध्यक्ष

शिवपुरी, जीएनएस।
अग्रवाल समाज बदरवास की नवीन कार्यकारिणी के गठन को लेकर अग्रवाल धर्मशाला में समाजजनों की एक सामान्य सभा आयोजित की गई। बैठक में समाज के विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श के साथ नवीन कार्यकारिणी के गठन को लेकर चर्चा हुई।

सामान्य सभा में उपस्थित सभापति कमलेश जैन के मार्गदर्शन में समाजजनों ने सर्वसम्मति से गोपालदास अग्रवाल ठेकेदार को पुनः अग्रवाल समाज बदरवास का अध्यक्ष मनोनीत किया। अध्यक्ष के रूप में उनके पुनः मनोनयन की घोषणा होते ही उपस्थित समाजजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका

स्वागत एवं अभिनंदन किया। पुनः अध्यक्ष चुने जाने पर गोपालदास अग्रवाल ने समस्त अग्रवाल समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज का विकास, एकता और समाजजनों के हित में कार्य करना उनकी पहली



प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी समाजजनों के सहयोग से समाज को और अधिक मजबूत एवं संगठित बनाने का विश्वास दिलाया। सभापति कमलेश जैन की मौजूदगी में नवीन कार्यकारिणी का भी गठन किया

गया, जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनंद स्वरूप बिंदल, उपाध्यक्ष जलज जैन, कोषाध्यक्ष विजय कुमार बंसल, सचिव जिनेन्द्र जैन, सहसचिव ओमप्रकाश जैन, मीडिया प्रभारी आशीष सिंघल (बिडू), कार्यकारिणी सदस्य सहित 22 सदस्यीय कार्यकारिणी बनाई गई। नवीन कार्यकारिणी के गठन पर

समस्त अग्रवाल समाज बदरवास की ओर से सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि नवीन कार्यकारिणी समाज की एकता, सेवा एवं विकास के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेगी।

डिवाइडरों एवं रोड साइडों के सौंदर्यीकरण अभियान जारी

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर के पार्क विभाग द्वारा शहर के डिवाइडरों एवं सड़क किनारे के क्षेत्रों की साफ-सफाई, व्यवस्थित रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेश बंसल ने जानकारी देते हुये बताया कि निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में पार्क विभाग द्वारा निरंतर डिवाइडरों की साफ सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत आज विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में

निर्धारित स्थलों पर उद्यान विभाग की टीम के माध्यम से कार्य कराया गया। इसके तहत उद्यान निरीक्षक श्री राजकुमार सिंह राजावत के नेतृत्व में सागर ताल चौराहे से ए.बी. रोड की ओर, उद्यान पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुशवाहा द्वारा उधम सिंह चौराहे से सनसिटी रोड डिवाइडर तक, श्री सुभाष शाक्य द्वारा माधव डिस्पेंसरी रोड डिवाइडर पर, श्री राजकुमार नागर द्वारा तानसेन होटल से राजमाता गोलंबर तक तथा श्री रवि पाराशर द्वारा कस्तूरबा गोलंबर पर कार्य कराया गया।

सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य जारी

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य निरंतर तेजी के साथ किया जा रहा है। नोडल अधिकारी पेंच रिपेयरिंग श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का काम किया जा

रहा है। जिसके तहत आज गुरुवार को डम्बर की सड़कों पर तानसेन नगर, श्री कृष्णा कॉलोनी, हेमसिंह की पेरेड, नया बाजार, मामा का बाजार, माधौगंज में पेचवर्क कराया गया एवं 6 नं. पार्किंग एवं ट्रांसपोर्ट नगर पर बरागांव लक्ष्मीपुरम, वार्ड 61 सैनिक कॉलोनी, टीपीटी लाइन मोहनपुर, वार्ड 65 महेषपुरा, ओहदपुर, नयापुरा तारागंज, सिंधिया नगर, चिरवाई नाका पिपरीली रोड सहित अन्य मुख्य मार्गों पर गिट्टी मुरम से पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

मदाखलत अमले ने हटायें कटआउट, बैनर

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर के मदाखलत टीम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी के क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में मदाखलत अमले द्वारा शहर में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही कर अतिक्रमण हटाया गया इसके साथ ही अवैध रूप से एवं बिना अनुमति लगे पोस्टर, बैनर एवं कटआउट हटाये गये। नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुये बताया गया कि निगम द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इसके तहत आज गुरुवार को ग्वालियर पूर्व विधानसभा के अन्तर्गत मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देशन में मांडरे की माता

चौराहे से कटोरा ताल, अचलेश्वर चौराहे, चेतकपुरी, मेला लाल बत्ती से गोले का मंदिर, पिन्टू पार्क आदि सभी रूटो से लाइट के खंभों व चौराहा पर लगे विज्ञापन वाले कटआउट को निकालने की कार्यवाही की गई। साथ ही ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत हजीरा चौराहा, इंटक मैदान के बाहर, चार शहर का नाका, किला गेट रोड सहित अनेक स्थानों पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेले फुटपाथी, दुकानों को एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को हटवाने की कार्यवाही की गई और दोबारा अतिक्रमण न करने की हिदायत की गई। इसके साथ ही दक्षिण विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत महाराज बाड़ा में सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार से माधौगंज चौराहा तक यातायात में अवरुद्ध हाथ ठेलो को हटवाया एवं मार्ग को सुगम कराया गया।



खाद टीम में चैकिंग दौरान तीन दुकानों सैंपल भरे गए

जालौन, जीएनएस।
त्यौहार को देखते हुए शुद्ध सामग्री ग्राहकों को मिलने के उद्देश्य से खाद टीम ने नगर में दो सैंपल तथा इटौरा में एक सैंपल दुकानों से भरकर प्रयोगशाला जांच हेतु भेजे गए चैकिंग अभियान से दुकानदारों के बीच हड़कंप मच गया। गुरुवार के दिन प्रोपराइटर रामनारायण गुप्ता की दुकान में चैकिंग दौरान दूध बर्फी एवं समोसा का सैंपल भरा गया इसी

क्रम में टीम ने इटौरा कस्बा में जाकर दुकानों की चैकिंग की चैकिंग दौरान सैंपल भरने के उपरांत मौजूद दुकानदारों को हिदायत देते हुए कहा कि दुकान की साफ सफाई करके अपनी अपनी दुकानों का संचालन करने के निर्देश दिए उन्होंने आने वाले दीपावली त्यौहार पर कोई भी ग्राहक दूकान में आए उसको शुद्ध सामग्री वितरण कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

हाईवे किनारे दुकान से 259 ग्राम गांजा बरामद एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

ग्वालियर, जीएनएस।
थाना सिरोल पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मेहरा टोल के पास हाईवे किनारे स्थित एक दुकान से 259 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। मामले में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को दिनांक 22 अक्टूबर 2026 को विश्वस्त मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि मेहरा टोल के पास हाईवे किनारे स्थित बीडी-गुटखे की दुकान चलाने वाले एक व्यक्ति के पास अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा हुआ है। सूचना की नियमानुसार कार्यवाही एवं आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को स्वतंत्र साक्षी की उपस्थिति में

पकड़ा तथा विधि अनुसार तलाशी की कार्रवाई की। तलाशी के दौरान संबंधित व्यक्ति के कब्जे से पारदर्शी पन्नी में रखा गांजा जैसा पदार्थ बरामद हुआ। पदार्थ की पहचान संबंधी कार्रवाई एवं तौल के दौरान पारदर्शी पन्नी सहित कुल वजन 259 ग्राम पाया गया। इसके अतिरिक्त 300 रुपये नगद भी बरामद किए गए। मामले में आरोपी शिवदयाल कुशवाहा, उम्र 44 वर्ष, निवासी जिला भिण्ड, हाल निवासी मेहरा टोल के पास, ग्वालियर के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस द्वारा मादक पदार्थ के स्रोत तथा उससे संबंधित अन्य व्यक्तियों के संबंध में जांच की जा रही है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

पौष्टिक आहार वितरण कार्यक्रम हेतु आर्थिक सहयोग की जानकारी

वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान हजीरा डे केयर सेंटर ग्वालियर द्वारा संचालित सिविल अस्पताल हजीरा ग्वालियर में भर्ती मरीजों को एवं उनके परिजनों को प्रति रविवार एवं मंगलवार को पौष्टिक आहार वितरण किया जाता है। पौष्टिक आहार वितरण कार्यक्रम हेतु आर्थिक सहयोग की जानकारी इस प्रकार है 500 रुपए प्रति एकादशी को श्री बालकिशन जी यादव द्वारा संस्था को दिये जाते हैं। आज भी उन्होंने 500 रुपए की सहयोग राशि संस्था में जमा करवा दी है।

तीन दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं योग प्रार्थना के साथ हुई शुरुआत, बच्चों को सिखाए योगासन और स्वस्थ दिनचर्या के गुर

गुना, जीएनएस।
विकास नगर स्थित शिव शक्ति कॉन्वेंट स्कूल परिसर में तीन दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं योग प्रार्थना के साथ हुआ। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत प्रमुख श्री सुरेश शर्मा, नेशनल योगासन जज एवं गुना योगासन स्पোর্ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगाचार्य महेश पाल, सेवा भारती के जिला सचिव मनोज रघुवंशी, एम.एन. साहू, प्रमोद यादव एवं विद्यालय के डायरेक्टर अभिषेक श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित किया वहीं शिविर के दूसरे दिन दीप प्रज्वलन का कार्य भारत विकास परिषद से प्रमोद



मेहरा, आनंद कृष्णानी दिनेश शर्मा, घनश्याम रघुवंशी राधेश्याम जी द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया उसके पश्चात । अतिथियों का स्वागत किया गया उसके बाद योगाचार्य महेश पाल के मार्गदर्शन में योग प्रार्थना के साथ योगाभ्यास प्रारंभ हुआ।

शिविर के प्रथम दिन बच्चों को ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, अर्ध ताड़ासन, पश्चिमोत्तानासन, उत्तान मंडूकासन सहित विभिन्न योगाभ्यास एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया शिविर के दूसरे दिन ताड़ासन वृक्षासन वक्रासन, तितली आसन,

कपालभाति भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया योगाचार्य महेश पाल ने बच्चों को सात्त्विक आहार के महत्व और नियमित दिनचर्या के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार, सुबह समय पर जागना और रात में समय पर सोना स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक एकाग्रता और कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर श्री हरिप्रसाद शर्मा और विद्यालय के प्राचार्य सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के साथ योगाभ्यास किया।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर	शिवपुरी
☎ 0751-2625029	☎ 07492-232149
☎ 9074257600	☎ 8251071286
E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com	

नियमितीकरण की मांग को लेकर भोपाल में गरजे विद्युत संविदा अधिकारी-कर्मचारी

भोपाल, जीएनएस। मध्यप्रदेश की विद्युत कंपनियों में कार्यरत संविदा विद्युत अधिकारी-कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग को लेकर राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा स्थित बिजली नगर कॉलोनी में प्रदेशव्यापी एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में संविदा अधिकारी-कर्मचारी एकत्रित हुए और शासन से नियमितीकरण की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ करने की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग है कि संविदा विद्युत अधिकारी-कर्मचारियों को समकक्ष नियमित

रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रदान करने के लिए विभागीय परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन शीघ्र जारी किया जाए, ताकि वर्षों से संविदा पर कार्यरत कर्मिकों को नियमित सेवा का अवसर मिल सके। वर्षों से सेवा दे रहे संविदा कर्मचारियों के भविष्य पर चिंता धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स के प्रदेश अध्यक्ष श्री आर. एस. कुशवाह ने कहा कि प्रदेश की विद्युत कंपनियों में हजारों संविदा अधिकारी-कर्मचारी कई वर्षों से पूरी जम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद नियमितीकरण की प्रक्रिया में हो रही देरी उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ा रही है। उन्होंने



शासन से मांग की कि संविदा कर्मिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए नियमितीकरण की प्रक्रिया बिना किसी विलंब के प्रारंभ की जाए। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मचारियों को समकक्ष नियमित रिक्त पदों पर नियुक्ति का अवसर प्रदान करना उनके लंबे सेवाकाल और भविष्य की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन सचिव मुकेश जैन ने बताया कि ऊर्जा विभाग के पत्र क्रमांक 5240/2026/तेरह/04,

दिनांक 24 जुलाई 2026 के तहत संविदा कर्मिकों को समकक्ष नियमित रिक्त पदों पर नियुक्ति देने संबंधी प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया था। शासन के निर्देशानुसार भर्ती प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण की जानी थी तथा इसके लिए पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसके बावजूद स्वीकृति के दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी विभागीय परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन

जारी नहीं होने से प्रदेश के संविदा अधिकारी-कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। निर्धारित समय-सीमा निकट आने के कारण कर्मचारियों को आशंका है कि प्रक्रिया में देरी से उनके नियमितीकरण का मामला और लंबित हो सकता है। यूनाइटेड फोरम द्वारा संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए पूर्व में भी लगातार प्रयास किए गए हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में फोरम के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टरों, सांसदों, विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित कर शासन का ध्यान इस विषय की ओर आकर्षित कराया था। इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर संगठन ने भोपाल में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर अपनी

मांग को पुनः प्रमुखता से उठाया। धरना प्रदर्शन के पश्चात यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स के पदाधिकारियों एवं प्रदेशभर से आए संविदा विद्युत अधिकारी-कर्मचारियों ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल के प्रबंध संचालक (एमडी) को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि शासन द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव के अनुरूप विभागीय परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन तत्काल जारी किया जाए तथा संविदा विद्युत अधिकारी-कर्मचारियों को समकक्ष नियमित रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रदान करने की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाए।

ऐतिहासिक भुजरिया तालाब की दुर्दशा पर नागरिकों में चिंता, 25 अक्टूबर को जुटेंगे शिवपुरीवासी

शिवपुरी, जीएनएस। शहर के बीचों-बीच स्थित ऐतिहासिक भुजरिया तालाब की बदहाल स्थिति को लेकर वरिष्ठ नागरिक शिवकुमार पट्टेरिया ने चिंता व्यक्त करते हुए स्थानीय शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल सफाई कराने की मांग की है। उन्होंने शिवपुरी के आम नागरिकों से अपील की है कि वे 25 अक्टूबर 2026, रविवार को दोपहर 12 बजे भुजरिया तालाब की पार पर एकत्रित हों, जहां तालाब की सफाई और उसके संरक्षण के लिए आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। शिवकुमार पट्टेरिया, निवासी वार्ड क्रमांक 28, श्री सिद्धेश्वर कॉलोनी, शिवपुरी के अनुसार, भुजरिया तालाब केवल एक ऐतिहासिक जलाशय ही नहीं, बल्कि वार्ड क्रमांक 25, 26, 27 और 28 के लिए महत्वपूर्ण जल पुनर्भरण स्रोत भी है। सनातन हिंदू परंपरा के प्रसिद्ध भुजरिया पर्व और मौर छठ पूजा के आयोजन से भी इस तालाब का विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व जुड़ा हुआ है। पट्टेरिया ने कहा कि श्री चिंताहरण मंदिर, श्री सिद्धेश्वर मंदिर और ऐतिहासिक मेला ग्राउंड के निकट स्थित यह तालाब शहर के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है। जिला संग्रहालय, पर्यटक ग्राम और छतरी

रोड के आसपास होने के कारण इसकी उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। इसके बावजूद तालाब में फैली गंदगी और जलकुंभी इसकी सुंदरता तथा उपयोगिता को प्रभावित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से राजनीतिक जनप्रतिनिधियों और स्थानीय शासन-प्रशासन द्वारा तालाब की सफाई एवं जलकुंभी हटाने के आश्वासन दिए जाते रहे हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। उनके मुताबिक, इस वर्ष जलकुंभी और गंदगी की समस्या के बीच तालाब में पानी का स्तर भी घटता दिखाई दे रहा है। इससे आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण और पर्यावरण संबंधी चिंताएं बढ़ रही हैं। शिवकुमार पट्टेरिया ने प्रशासन से मांग की है कि तालाब की तत्काल सफाई कराकर जलकुंभी हटाई जाए तथा इसके संरक्षण के लिए स्थायी योजना बनाई जाए। उन्होंने तालाब के आसपास सौंदर्यीकरण, बैठने की व्यवस्था और चौपाटी के रूप में विकसित करने का सुझाव भी दिया, ताकि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिल सके और यह स्थान शहर के आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित हो। भुजरिया तालाब की समस्या के समाधान के लिए नागरिकों से सामूहिक पहल करने का आह्वान किया गया है। रविवार, 25 अक्टूबर

2026 को दोपहर 12 बजे तालाब की पार पर होने वाली बैठक में सफाई, जलकुंभी हटाने, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। अब देखना होगा कि नागरिकों की इस पहल के बाद स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि ऐतिहासिक भुजरिया तालाब के संरक्षण के लिए कितनी तत्परता दिखाते हैं। तालाब की सफाई और पुनर्जीवन न केवल आसपास के वाडों के लिए उपयोगी होगा, बल्कि शिवपुरी की ऐतिहासिक पहचान और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। शिवपुरी के वीर सावरकर पार्क में पिछले अनेक वर्षों से विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे एम.एस. चौबे सर ने भी ऐतिहासिक भुजरिया तालाब में फैली गंदगी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। तालाब की बदहाल स्थिति को लेकर उनकी चिंता इस बात को रेखांकित करती है कि भुजरिया तालाब का संरक्षण केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि शहर के प्रत्येक नागरिक से जुड़ा पर्यावरणीय और सामाजिक विषय है। अब 25 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजे भुजरिया तालाब की पार पर होने वाली नागरिकों की बैठक से सफाई अभियान और तालाब के पुनर्जीवन की दिशा में सामूहिक पहल की उम्मीद है।

मुजफ्फरनगर के एसएसपी सूरज कुमार राय ने डीआईजी अभिषेक सिंह से की शिष्टाचार भेंट

सहारनपुर मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सूरज कुमार राय ने सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अभिषेक सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों पुलिस अधिकारियों के बीच सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई। पुलिस विभाग में वरिष्ठ अधिकारियों के बीच इस तरह की मुलाकातें आपसी समन्वय को मजबूत करने और बेहतर पुलिसिंग के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। एसएसपी सूरज कुमार राय की डीआईजी अभिषेक सिंह से हुई इस मुलाकात को पुलिस प्रशासन



के स्तर पर आपसी संवाद और समन्वय की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सहारनपुर परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिलों में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध नियंत्रण, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई तथा आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करना पुलिस प्रशासन की

प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बीच नियमित संवाद से विभिन्न पुलिस इकाइयों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने में मदद मिलती है। साथ ही, क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए समन्वित प्रयासों को भी गति मिलती है। हालांकि, इस शिष्टाचार भेंट के दौरान किन विशिष्ट विषयों पर चर्चा हुई, इसे लेकर कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, दोनों वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मुलाकात को औपचारिक शिष्टाचार भेंट के रूप में देखा जा रहा है।

सीईओ जिला पंचायत भिण्ड ने 06 सहायक यंत्री को दिया नोटिस

भिण्ड, जीएनएस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान ने जनपद पंचायत रौन के सहायक यंत्री श्री दिनेश चन्द्र भार्गव, जनपद पंचायत भिण्ड के सहायक यंत्री श्री योगेन्द्र आर्य, जनपद पंचायत गोहद के सहायक यंत्री श्री रोहित उनिया, जनपद पंचायत अटेर के सहायक यंत्री श्री कपिल तोमर, जनपद पंचायत मेहगांव के सहायक यंत्री श्री डी.के. शर्मा, जनपद पंचायत लहार के सहायक यंत्री श्री राहुल सिंह कुशवाह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीईओ जिला

पंचायत श्री चौहान ने सूचित किया है कि VB-GRAM-G अंतर्गत ग्राम पंचायतों में नवीन कार्य प्रारंभ कराने एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर शासन द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं। VB-GRAM-G में नवीन कार्य के संबंध में शासन स्तर से सहायक यंत्री एवं उपयंत्री को राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्रदाय किया जा चुका है, किन्तु इसके पश्चात भी कार्य क्षेत्र अंतर्गत नवीन कार्य प्रारंभ करने की प्रगति निरंक होने से दिनांक 22.10.2026 को सम्पन्न आयुक्त VB-GRAM-G द्वारा व्ही.सी. में

अप्रसन्नता व्यक्त की गयी है। इस संबंध में जिले स्तर से कारण बताओ सूचना पत्र दिनांक 14.10.2026 जारी कर जवाब 03 दिवस में चाहा गया था जो कि आज दिनांक तक अप्राप्त है। इससे स्पष्ट होता है कि कार्यों की नियमित समीक्षा, क्षेत्रीय निरीक्षण एवं प्रगति घटाने हेतु अपेक्षित प्रयास नहीं किये गये हैं। उक्त कृत्य शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही, उदासीनता एवं स्वेच्छाचरिता का द्योतक है। इस गंभीर शिथिलता के कारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना बाधित हुई है।

अमर गार्डन में भारी मात्रा में DAP खाद जब्त, अवैध कारोबार की जांच जारी

छतरपुर, जीएनएस। छतरपुर कलेक्टर मृणाल मोना के सख्त निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन पर मातगुवा थाना पुलिस की बड़ी कार्यवाही जिले में षट्कखाद के कथित अवैध कारोबार का मामला सामने आया है। मातगुवा थाना पुलिस की सूचना और कार्रवाई के बाद छतरपुर शहर के नारायणपुरा रोड स्थित अमर गार्डन में भारी मात्रा में षट्क खाद का भंडारण मिलने पर पुलिस और कृषि विभाग की टीम ने कार्रवाई की। मौके पर दो कमरों के अंदर और जमीन पर खाद रखा हुआ

मिला। मामले में वाहन चालक ओमप्रकाश रैकवार और अनुराग शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। मातगुवा थाना प्रभारी अंकुर चौबे को सूचना मिली थी कि वाहन क्रमांक डीएच 95, डीएच 6686 में करीब नकली 80 बोरी षट्क खाद रखकर छतरपुर से बड़ा मलहारा की ओर ले जाया जा रहा है। पुलिस ने वाहन को रोककर खाद से संबंधित दस्तावेजों की जांच की, लेकिन आवश्यक दस्तावेज नहीं मिलने पर चालक ओमप्रकाश रैकवार, निवासी छतरपुर, को पूछताछ के लिए थाने ले



जाया गया। पूछताछ के दौरान नारायणपुरा रोड स्थित अमर गार्डन में खाद के भंडारण की जानकारी सामने आने

पर कृषि विभाग के उपसंचालक अनिल कुमार मिश्रा को सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस और कृषि विभाग की टीम ने मौके पर

पहुंचकर जांच की। यहां दो कमरों और जमीन पर बड़ी मात्रा में षट्क खाद रखा मिला। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, अमर गार्डन में किराए पर कमरा लेकर खाद का भंडारण किए जाने और कथित तौर पर अवैध कारोबार संचालित होने की जांच की जा रही है। पुलिस ने प्रथम दृष्टया आवश्यक वस्तु अधिनियम और उर्वरक नियंत्रण अधिनियम के तहत वाहन चालक ओमप्रकाश रैकवार तथा अनुराग शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने की जानकारी दी है।

सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश पुलिस अब खाद के स्रोत, भंडारण, परिवहन और बिक्री से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस कारोबार में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि, उनकी भूमिका की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल मामले में कार्रवाई और पूछताछ जारी है। जांच के बाद ही ज्ञात खाद की कुल मात्रा, उसके स्रोत और कथित अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कलेक्टर श्री वर्मा ने की जल संसाधन विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा

शिवपुरी, जीएनएस।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में गत दिवस जल संसाधन विभाग के अंतर्गत जिले में संचालित विभिन्न निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं, बांध और नहर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जल संसाधन विभाग के तहत जिले में विभिन्न संभागों की सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने अधिकारियों को

आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में लोअर ओर बांध व सरकुला और सनघटा सिंचाई परियोजनाओं, सिंध परियोजना पक्का बांध संभाग मड़ीखेड़ा, राजघाट नहर परियोजना की समीक्षा की गई। सरकुला और सनघटा मध्यम सिंचाई परियोजनाएं अंतर्गत क्रमशः पोहरी और पिछोर क्षेत्र में निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि विभागीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की

जिले में संचालित विभिन्न मध्यम व लघु सिंचाई परियोजनाओं, लोअर ओर बांध-नहर कार्यों की प्रगति की ली जानकारी



निगरानी की जाए और समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सरकुला मध्यम सिंचाई परियोजना से पोहरी

क्षेत्र के 42 ग्रामों की 8277 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जबकि सनघटा परियोजना से पिछोर क्षेत्र में 23

ग्रामों के 4677 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा मिलेगी। लोअर उर बांध एवं नहर परियोजना अंतर्गत बामौरकला स्थित उर नदी परियोजना प्रबंधन इकाई के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों, भू-अर्जन, अवार्ड वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन क्षेत्रों में कार्य प्रगति पर हैं, उन्हें निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण किया जाए। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने समीक्षा के दौरान कहा कि यदि सिंचाई परियोजनाओं के कार्य में

कहीं भी कोई समस्या है, तो उससे संबंधित अधिकारी तत्काल अवगत कराएं। विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रगतिरत सिंचाई परियोजनाओं की निगरानी की जाए। यह सिंचाई परियोजनाएं किसानों के हित से जुड़ी हैं। इनसे एक बड़े रकवे को सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों की कृषि भूमि सिंचित होगी और पैदावार अच्छी होगी।

बैठक में जल संसाधन विभाग के विभिन्न संभागों के कार्यपालन यंत्री और एसडीओ उपस्थित रहे।

आपकी अनुपयोगी वस्तु, किसी जरूरतमंद की खुशियों का सहारा

स्वच्छ दिवाली 01 रुपये वाली' अभियान के तहत उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर तीन विशेष संग्रहण वाहनों को किया रवाना

दीपावली पर स्वच्छता के साथ पुनः उपयोग को मिलेगा बढ़ावा, जरूरतमंदों को मात्र एक रुपये में मिलेगी उपयोगी वस्तुएं

जीएनएस।

दीपावली की खुशियों को जनसेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए नगर निगम ग्वालियर द्वारा 'स्वच्छ दिवाली 01 रुपये वाली' विशेष अभियान' संचालित किया जा रहा है। 21 अक्टूबर से 3 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से घरों से निकलने वाली अनुपयोगी, लेकिन पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाकर उन्हें नया जीवन देने की पहल की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को बाल भवन से विधानसभा क्षेत्रवार तैयार किए गए तीन विशेष संग्रहण वाहनों को उपायुक्त श्री मुकेश बंसल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के विशेष प्रयासों से संचालित इस अभिनव पहल का उद्देश्य शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देने के साथ-साथ संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना और जरूरतमंद परिवारों को उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराना है। नगर निगम ग्वालियर ने शहरवासियों से



अपील की है कि वे दीपावली की साफ-सफाई के दौरान निकलने वाली पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं को कचरे में फेंकने के बजाय अलग रखें और नगर निगम के विशेष संग्रहण वाहनों अथवा नजदीकी क्षेत्रीय कार्यालय में जमा कराएं। सामग्री साफ-सुथरी और दोबारा उपयोग के योग्य होनी चाहिए। आपकी अनुपयोगी वस्तु किसी जरूरतमंद के लिए अनमोल उपहार बन सकती है। नागरिकों की छोटी-सी सहभागिता शहर में कचरा कम करने, संसाधनों को बचाने और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। नगर निगम का यह अभियान शहरवासियों को स्वच्छता के साथ संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संदेश देते हुए स्वच्छ, सुंदर, पर्यावरण अनुकूल

एवं जनभागीदारी वाला ग्वालियर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कचरा नहीं, संसाधन हैं उपयोगी वस्तुएं

दीपावली के अवसर पर घरों की साफ-सफाई के दौरान बड़ी संख्या में कपड़े, किताबें, जूते, गद्दे, प्लास्टिक की वस्तुएं, कागज और इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित कई ऐसी वस्तुएं निकलती हैं, जिनका उपयोग दूसरे लोग आसानी से कर सकते हैं। अक्सर ये वस्तुएं कचरे में फेंक दी जाती हैं, जिससे अपशिष्ट की मात्रा बढ़ती है। इसी समस्या के समाधान के लिए नगर निगम ने '3 आरयानी रिड्यूस (कम उपयोग), रीयूज (पुनः उपयोग) और रीसाइकिल (पुनर्चक्रण)' की अवधारणा को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का प्रयास किया

है। अभियान के तहत विधानसभा क्षेत्रवार निर्धारित तीन विशेष वाहन घर-घर जाकर पुनः उपयोग योग्य सामग्री एकत्रित करेंगे। नागरिक अपनी सामग्री नजदीकी क्षेत्रीय कार्यालय में भी जमा करा सकेंगे। क्षेत्रीय कार्यालयों में एकत्रित सामग्री को फूलबाग स्थित '3 आर सेंटर' में लाकर छांटा जाएगा तथा उपयोग योग्य वस्तुओं को व्यवस्थित कर दोबारा इस्तेमाल के लिए तैयार किया जाएगा।

सिर्फ एक रुपये में मिलेगी जरूरत की वस्तुएं

अभियान की सबसे खास बात यह है कि दीपावली के बाद एकत्रित एवं उपयोग के लिए तैयार की गई वस्तुएं जरूरतमंद नागरिकों को मात्र एक रुपये में उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के अनुसार, एक रुपये में एक वस्तु के हिसाब से प्रत्येक व्यक्ति अधिकतम पांच वस्तुएं प्राप्त कर सकेगा। इस पहल से जहां उपयोगी वस्तुओं को कचरे में जाने से बचाया जा सकेगा, वहीं जरूरतमंद परिवारों को कम कीमत पर आवश्यक सामग्री उपलब्ध होगी। इस तरह यह अभियान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहयोग का संदेश देते हुए दीपावली की खुशियों को अधिक लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

ड्रॉप आउट बच्चों को स्कूल में दाखिल कराने समन्वय से कार्य करें-डॉ शर्मा

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने बैठक में दिये निर्देश

इंशुपुर, जीएनएस।

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ निवेदिता शर्मा ने कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित विभागीय स्टेक होल्डर्स की जिला स्तरीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्कूल से ड्रॉप आउट बच्चों को पुनः स्कूल में दाखिल कराने के लिए शिक्षा, ट्रायबल, जिला शिक्षा केन्द्र, महिला बाल विकास सभी समन्वय से कार्य करें तथा इस क्षेत्र में काम कर रहे एनजीओ का सहयोग भी लें। उन्होंने कहा कि एक माह से अधिक स्कूल से अनुपस्थित बच्चों की सूची श्रम विभाग को उपलब्ध कराई जाये तथा सत्यापन सुनिश्चित किया जाये कि कहीं बच्चे बाल श्रम में संलग्न तो नहीं हैं। उन्होंने बालश्रम के विरुद्ध टॉक्स फोर्स के माध्यम से कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश भी श्रम विभाग के अधिकारियों को दिये।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती मेधा तिवारी, एडिशनल एसपी श्री प्रवीण भूरिया, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना भूषण, सदस्य श्रीमती उषा दातरे, श्री गणेश पाराशर, श्री गौरव आचार्य, श्री सतीश अवस्थी, महिला बाल विकास अधिकारी श्री श्यामबाबू खरे, डीपीसी श्री भूपेन्द्र शर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ

जेएन सक्सेना, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण श्री राकेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी तथा एनजीओ जनसाहस, परिवार, प्रथम, चाइल्डलाइन आदि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ निवेदिता शर्मा ने कहा कि बाल विवाह के प्रति समुदाय को जागरूक करने का कार्य किया जाये तथा संबंधित विभाग एवं एनजीओ समन्वय करके बाल विवाह को रोकने और लोगों को जागरूक करने के लिए कार्य करें। सामूहिक विवाह सम्मेलनों में होने वाले विवाहों के पूर्व वर-वधुओं की उम्र के सत्यापन के संबंध में दस्तावेज प्राप्त किये जायें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 6 वर्ष तक की आयु के मूकबधिर बच्चों के लिए निशुल्क रूप से कॉकलीयर इंप्लांट कराया जाता है, इस प्रकार के बच्चे यदि जिले में हों तो उनका सर्वे कर उक्त योजना के तहत बच्चों का निशुल्क ऑपरेशन कराये जायें, जिससे वे सामान्य बच्चों की तरह अपना जीवन जी सकेंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उक्त योजना के तहत 9 बच्चों के कॉकलीयर इंप्लांट कराये गये हैं। बैठक के दौरान बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण की स्थिति तथा पॉक्सो एक्ट सहित बाल श्रम एवं बाल विवाह के सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत प्रकरणों की समीक्षा की गई।

शिवपुरी से पहली बार शुरू हुआ संभाग स्तरीय ऑनलाइन योग एवं ध्यान कार्यक्रम; प्रथम दिन 85 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

शिवपुरी, जीएनएस।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार ग्वालियर-चंबल संभाग के समस्त युवा समन्वयकों के लिए ऑनलाइन योग एवं ध्यान कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, शिवपुरी से की गई। संभाग स्तर पर शिवपुरी से प्रारंभ की गई इस अनूठी पहल के प्रथम दिवस ही कुल 85 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता दर्ज कराई। यह विशेष स्वास्थ्य एवं मानसिक जागरूकता कार्यक्रम 4 नवंबर तक संचालित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने योग एवं ध्यान को अपनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा जिला खेल अधिकारी डॉ. के.के. खरे द्वारा तैयार कर सुचारू रूप से संचालित की गई। इस दौरान योग प्रशिक्षक सपना शर्मा एवं सुभाषिनी ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन युवा समन्वयक कमल सिंह बाथम ने किया। ऑनलाइन माध्यम से ग्वालियर-चंबल संभाग के विभिन्न



ब्लॉकों के समस्त युवा समन्वयक तथा उनके सहयोगी कर्मचारी शामिल हुए।

युवाओं को शारीरिक व

मानसिक रूप से सशक्त बनाने का उद्देश्य

जिला खेल अधिकारी डॉ. के.के. खरे ने बताया कि इस

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में योग एवं ध्यान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करना है। योग केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और श्वास के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। वर्तमान समय में पढ़ाई, प्रतियोगिता और कार्यक्षेत्र की व्यस्तताओं के बीच नियमित ध्यान से तनावमुक्ति, बेहतर एकाग्रता, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है।

4 नवंबर तक जारी रहेगा संभाग स्तरीय प्रशिक्षण

ग्वालियर-चंबल संभाग में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की यह पहल युवाओं को अपने-अपने क्षेत्रों में योग के प्रचार-प्रसार हेतु प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। 4 नवंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का लक्ष्य योग को किसी विशेष आयोजन तक सीमित न रखकर दैनिक दिनचर्या का नियमित हिस्सा बनाना है, जिससे खेलों से जुड़े युवाओं के श्वास नियंत्रण, शारीरिक लचीलेपन और मानसिक तैयारी को भी मजबूती मिलेगी।

अग्रवाल परिचय सम्मेलन कल : 360 युवक-युवतियों का पंजीयन, मानस भवन में दोपहर 3 बजे से होगा आयोजन

मंच पर युवक-युवतियां देंगे अपना परिचय



ग्वालियर जीएनएस
अग्रवाल परिचय सम्मेलन का 142वां आयोजन 25 अक्टूबर को मानस भवन, फूलबाग में होगा। सम्मेलन में 360 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया है। कार्यक्रम की खास बात यह होगी कि युवक-युवतियां मंच पर स्वयं अपना परिचय देंगी। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि कार्यक्रम

का शुभारंभ मुख्य अतिथि साडा प्राधिकरण अध्यक्ष अशोक शर्मा करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में मध्यप्रदेश कांग्रेस के महामंत्री सुनील शर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनय जैन और भाजपा युवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष अंकित बंसल शामिल होंगे। कार्यक्रम दोपहर 3 बजे प्रारंभ होगा। सम्मेलन में नेमा गर्ग (भोपाल), ख्याति अग्रवाल

(गांधीनगर), आरुषि गुप्ता (कोटा), योगेश अग्रवाल (मथुरा), कमल गर्ग (हिसार), भारत मंगल (वडोदरा), राम मंगल (बेंगलुरु), शुभम अग्रवाल (भिंड) और ऋषभ अग्रवाल (आगरा) सहित 360 युवक-युवतियां मंच पर अपना परिचय देंगी। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा परिचय पत्रिका का विमोचन भी किया जाएगा। सम्मेलन में शामिल

होने की अपील करने वालों में नीलम शाह, विनीता तायल, पूनम अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, कविता मंगल, पदमा अग्रवाल, मीनाक्षी गोयल, साधना गोयल, प्रीति जिंदल, रेनू मंगल, शशि गर्ग, संगीता गर्ग, मीना अग्रवाल, नूपुर गोयल, मुकेश सिंघल, अनिल गर्ग, महेंद्र अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल और जगदीश बंसल सहित अन्य लोग शामिल हैं।

मग्न में संगठन के विस्तार और मानवाधिकार जागरूकता की जिम्मेदारी संभालेंगे

गर्ग बने मानवाधिकार संरक्षण संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी

भोपाल जीएनएस
मानवाधिकार संरक्षण संगठन (एचआरडी) ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए अशोक गर्ग को मध्य प्रदेश का प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी की अनुमति और सहमति से की गई यह नियुक्ति पत्र क्रमांक 11/2026 के तहत तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए उम्मीद जताई कि अशोक गर्ग प्रदेश के प्रत्येक जिले, तहसील और ब्लॉक स्तर पर संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही मानवाधिकार संरक्षण के



मूल उद्देश्यों और संगठन की नीतियों को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। नई जिम्मेदारी मिलने पर अशोक गर्ग ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे सौंपे गए दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और प्रदेश में मानवाधिकारों

के संरक्षण तथा उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर सक्रिय रहेंगे। अशोक गर्ग की नियुक्ति पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों और सहयोगियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वालों में अनूप अग्रवाल, रवि कुमार गर्ग, सुभाष अग्रवाल, दिनेश चंद्र बंसल, रवि गोयल, विनोद सिंघल, रामकृष्ण अग्रवाल, प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह पवैया, अशोक सोनी, संजीव सिकरवार, विनोद गुप्ता, श्याम श्रीवास्तव, संतोष गर्ग, विजय शर्मा और महेश तायल सहित अन्य सहयोगी एवं मित्र शामिल हैं।

हादसे में मृत मोतीलाल प्रजापति के परिजन से मिले वार्ड-66 के पार्षद गिराज गुर्जर

ग्वालियर जीएनएस।
शीतला माता मंदिर के मुख्य द्वार पर हुए हादसे में जान गंवाने वाले ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सातऊ निवासी मोतीलाल प्रजापति के निज निवास पहुंचकर वार्ड क्रमांक 66 के पार्षद गिराज सिंह गुर्जर ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढाढस बंधाया।



पार्षद गुर्जर ने परिवार को मध्य प्रदेश सरकार की ओर से चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने

की जानकारी दी। साथ ही बताया कि हादसे में मृतकों के एक-एक परिजन को आउटसोर्स के माध्यम से नौकरी देने का निर्णय नगर निगम परिषद ने लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर से पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की भावना से भी परिवार को अवगत कराया।

संगठन की मजबूती को लेकर विधायक कार्यालय पर हुई बैठक

पार्टी की विचारधारा घर-घर तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : डॉ. सिकरवार

ग्वालियर जीएनएस

कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक ललितपुर कॉलोनी स्थित विधायक कार्यालय पर आयोजित की गई। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में हुई बैठक में ब्लॉक अध्यक्षों, पार्षदों, वार्ड अध्यक्षों और मंडलम अध्यक्षों ने संगठन की मजबूती तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि कांग्रेस संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित पदाधिकारी और कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और पार्टी की



विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से काम करने पर जोर दिया।

बैठक में पार्टी की रीति-नीति और जनहित से जुड़े मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने, जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने आपसी समन्वय

के साथ संगठन को मजबूत बनाने और जनसेवा के कार्यों को गति देने का संकल्प लिया। बैठक में एमआईसी सदस्य एवं पार्षद अवधेश कौरव, अनुसूचित विभाग के जिलाध्यक्ष एवं पार्षद केदार बरहादिया, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, राजेश तोमर, रेखा जाटव, अनूप शिवहरे, संदीप यादव, डॉ. राकेश अग्रवाल, पार्षद प्रमोद खरे, पार्षद सुरेंद्र साहू और पार्षद अंकित कठदल सहित वार्ड अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्ष उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा सही नाम कमल खत्री (KAMAL KHATRI) है यही नाम मेरे पैन कार्ड आदि दस्तावेजों में दर्ज है, जबकि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिबश मेरा नाम इन्दर खत्री (INDER KHATRI) दर्ज हो गया है। कमल खत्री (KAMAL KHATRI) और इन्दर खत्री (INDER KHATRI) दोनों नाम मुझ एक ही व्यक्ति के हैं। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरान्त मेरे आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम इन्दर खत्री (INDER KHATRI) के स्थान पर मेरा सही नाम कमल खत्री (KAMAL KHATRI) पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।

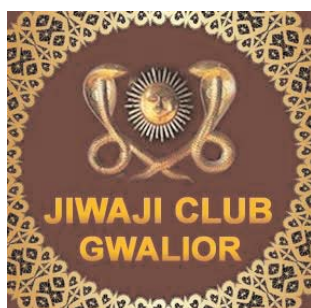
पुर्णनाम : इन्दर खत्री नया नाम : कमल खत्री (KAMAL KHATRI)
पुत्र श्री दीपचंद खत्री, निवासी - फिलवारे वाली गली (INDER KHATRI) कन्या विद्यालय के पीछे कमलेश्वर कॉलोनी डबल जिला (म.प्र.)

दोनों पुराने मित्र, चुनाव लड़ने पर अभी असमंजस; डॉ. ओपी गुप्ता, अमृत माहेश्वरी और अजय गर्ग बाबी के नाम भी चर्चा में

जीवाजी क्लब अध्यक्ष के लिए कुकरेजा व डॉ. कौल के बीच मुकाबले के आसार

ग्वालियर जीएनएस
जीवाजी क्लब के चुनाव की सरगमियां तेज होने लगी हैं। 20 दिसंबर को प्रस्तावित चुनाव के लिए दीपावली के आसपास नामांकन प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। हालांकि, चुनाव में अभी समय है, लेकिन क्लब के विभिन्न कक्षों में बैठकों और संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। सबसे ज्यादा हलचल अध्यक्ष पद को लेकर है। इस पद के लिए राजू कुकरेजा और डॉ. नीरज कौल के नाम प्रमुखता से सामने आ रहे हैं। दोनों क्लब के पुराने सदस्य, पूर्व

पदाधिकारी और एक-दूसरे के मित्र हैं। ऐसे में दोनों में से कौन चुनाव मैदान में उतरेगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं। राजू कुकरेजा का क्लब में पुराना अनुभव : राजू कुकरेजा जीवाजी क्लब के सचिव और दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके समर्थक क्लब में उनके कार्यकाल और सदस्यों के बीच संपर्क को उनकी प्रमुख ताकत मानते हैं। वह एक बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए थे, जबकि दूसरी बार उन्हें सर्वाधिक मत मिले थे। वर्तमान अध्यक्ष राजू सेठ से भी उनके अच्छे संबंध



बताए जाते हैं। चुनाव लड़ने के सवाल पर कुकरेजा का कहना है कि वह मित्रों से चर्चा के बाद निर्णय लेंगे। उनका कहना है कि क्लब में उनके कार्यकाल के दौरान सभी के लिए काम किया

गया और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया गया।

डॉ. नीरज कौल भी अध्यक्ष पद के दावेदार : पेशे से चिकित्सक डॉ. नीरज कौल जीवाजी क्लब में सचिव की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। क्लब के सदस्यों के बीच उनके सामाजिक संपर्क और पारिवारिक पृष्ठभूमि को उनकी ताकत माना जा रहा है। वह भी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की मंशा रखते हैं। हालांकि, चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आगे क्या होगा, यह समय बताएगा। उन्होंने भी मित्रों की सलाह के बाद आगे

बढ़ने की बात कही। राजू कुकरेजा और डॉ. कौल की मित्रता के कारण यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों में से कौन चुनाव मैदान में उतरता है।

अन्य नाम भी चर्चा में : अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों में डॉ. ओपी गुप्ता, अमृत माहेश्वरी और अजय गर्ग बाबी के नाम भी सामने आए हैं। डॉ. ओपी गुप्ता शांता नर्सिंग होम से जुड़े हैं, जबकि अमृत माहेश्वरी जमीन कारोबार से जुड़े बताए जाते हैं। अजय गर्ग बाबी क्लब में सहसचिव रह चुके हैं और सचिव पद का चुनाव भी

लड़ चुके हैं। इन नामों को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होने और संभावित उम्मीदवारों के निर्णय के बाद ही मुकाबले की तस्वीर साफ हो सकेगी। जीवाजी क्लब के चुनाव में सदस्यों के बीच व्यक्तिगत संपर्क, पूर्व कार्यकाल और आपसी समीकरण अहम भूमिका निभा सकते हैं। फिलहाल अध्यक्ष पद के लिए चर्चित नामों के बीच गतिविधियां तेज हो रही हैं, लेकिन अंतिम दावेदारी को लेकर अभी इंतजार करना होगा।